वर्ष : 34 | अंक : 235 | मुंबई, रविवार, 2 नवंबर 2025 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

- 'वोट चोरी' के मुद्दे पर विपक्ष ने निकाला 'सत्याचा मोर्चा'
- उद्धव, राज और शरद पवार के निशाने पर आया निर्वाचन आयोग, जमकर साधा निशाना

फैशन स्ट्रीट से बीएमसी मुख्यालय तक रैली

'सत्याचा मोर्चा' दोपहर में दक्षिण मुंबई के फैशन स्ट्रीट से शुरू हुआ और करीब एक किलोमीटर दूरी पर स्थित बीएमसी मुख्यालय पर समाप्त हुआ। मार्च में पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, शरद पवार, राज ठाकरे और कांग्रेस नेता बालासाहेब थोराट जैसे दिग्गज नेता मौजूद रहे। कांग्रेस नेता नसीम खान, सतेज पाटिल, भाई जगताप और सुप्रिया सुले भी इस मार्च में शामिल हुए।

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

विपक्ष का हल्ला बोल

मुंबई की सड़कों पर शनिवार को महाराष्ट्र की राजनीति का एक नया दृश्य देखने को मिला। उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे और शरद पवार एक साथ 'सत्याचा मोर्चा' में दिखाई दिए। बीएमसी चुनाव से पहले 'वोट चोरी' के मुद्दे पर निकले इस विरोध मार्च ने न सिर्फ विपक्षी एकजुटता का प्रदर्शन किया, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति में एक नए समीकरण की झलक भी दिखा दी।

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं के खिलाफ महा विकास आघाडी (एमवीए) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने शनिवार को संयुक्त मोर्चा निकाला। कांग्रेस, शिवसेना (उबाठा), राकांपा (एसपी) और मनसे के हजारों समर्थक इस मार्च में शामिल हुए।

जागते रहो, वरना एनाकोंडा आ जाएगा: उद्धव ठाकरे

रैली में शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने दावा किया कि फर्जी मोबाइल नंबर का उपयोग कर 'सक्षम' ऐप पर उनका नाम अपलोड किया गया। ठाकरे ने कहा कि यह उनके नाम को मतदाता सूची से हटाने की साजिश हो सकती है। ठाकरे ने फिल्म 'शोले' का डायलॉग सुनाते हुए भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा, "जागते रहो, वरना एनाकोंडा आ जाएगा।" उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष चुनाव चिह्न और पार्टी नाम छीनने के बाद अब वोट चुराने की कोशिश में है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में वोट चोरी की गई। हमारी पार्टी, नाम और चुनाव चिन्ह चोरी हो गए हैं, अब वोट चोरी हो रही है। डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और सीएम देवेंद्र फडणवीस कहते हैं कि विरोधियों को बेनकाब करेंगे। मैं देवेंद्र फडणवीस को खुली चुनौती देता हूं कि मुझे बेनकाब करें, दिखाएं कि हमें कैसे फायदा हो रहा है। वोट चोरी के मुद्दे को अदालत में ले जाने पर उद्धव ठाकरे ने कहा कि हम पहले सबूत इकट्ठा करेंगे फिर अदालत जाएंगे। देखते हैं अदालत में हमें न्याय मिलता है या नहीं। हमारी शिवसेना का मामला 3-4 साल से अदालत में लंबित है, लेकिन अब हमें न्याय चाहिए।

मोर्चे के ख़िलाफ़ भाजपा का मौन मोर्चा

भाजपा ने भी मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी के खिलाफ एमवीए के सत्यचा मोर्चा के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया। भाजपा ने दावा किया कि विपक्ष निकाय चुनाव से पहले झूठा नैरेटिव फैलाने की कोशिश कर रहा है। भगवा पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अपने मुंह पर काली पट्टी बांधकर दक्षिण मुंबई के गिरगांव इलाके में विरोध प्रदर्शन किया। महाराष्ट्र भाजपा के अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने कहा कि इस विरोध का मकसद चुनावों से पहले MVA द्वारा झूठे नैरेटिव फैलाने की कोशिशों को बेनकाब करना है।

फर्जी मतदाताओं को हटाने के बाद हो चुनाव: थोरात

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बालासाहेब थारोत ने कहा कि यह मोर्चा केवल चुनाव आयोग के खिलाफ नहीं है बल्कि जो लोग चुनाव आयोग को चला रहे हैं। उनके विरोध में भी है। निकाय चुनाव की मतदाता सूची दोषपूर्ण है। इसलिए मतदाता सूची से फर्जी मतदाताओं को हटाने के बाद स्थानीय निकाय के चुनाव होने चाहिए।

यह संघर्ष मुझे इतिहास की याद दिलाता है: शरद पवार

राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने कहा कि यह मोर्चा संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकता का प्रतीक है। आज का मार्च मुझे 1978-89 के दौर की याद दिलाता है। उस दौरान मैं कॉलेज में पढ़ता था। संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन के दौरान काला घोड़ा इलाके में भी इसी तरह के मार्च निकाले गए थे। उन मार्च में विचारों की एकता और लोगों का दृढ़ संकल्प साफ दिखाई देता था। आज आपने जो एकता दिखाई है, वह मुझे उस समय की याद दिलाती है। उन्होंने कहा कि हम अपने लिए कुछ नहीं मांग रहे, न सत्ता और न ही पद। हम सिर्फ इतना कह रहे हैं कि लोकतंत्र में संविधान प्रदत्त अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए। संविधान में कही गई हर बात का पालन होना चाहिए, लेकिन सत्ताधारी दल अपनी मनमर्जी से नियमों में ढील देने लगे, तो लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा।

मेरे पास फर्जी वोटर्स की लिस्ट: राज ठाकरे

राज ठाकरे जो अब तक विपक्षी गठबंधन से दूरी बनाए हुए थे, लोकल ट्रेन में बैठकर इस मार्च में पहुंचे। राज ठाकरे ने भारतीय चुनाव आयोग (ECI) पर मतदाता सूचियों को मंजूरी दिए बिना जल्दबाजी में नगरीय निकाय चुनाव कराने का आरोप लगाया और कई निर्वाचन क्षेत्रों में डबल वोटिंग के उदाहरण दिए। उन्होंने कहा कि मेरे पास मालाबार हिल निर्वाचन क्षेत्र के 4,500 मतदाताओं की सूची है, जो कल्याण ग्रामीण, डोंबिवली, भिवंडी और मुरबाद निर्वाचन क्षेत्रों में रहते हैं। इसलिए यह स्पष्ट है कि उन्होंने दो बार मतदान किया। यह स्पष्ट है कि महाराष्ट्र में ऐसे लाखों मतदाता हैं जिन्होंने दो बार मतदान किया है। उन्होंने पूछा कि मतदाता सूची में इतनी त्रुटियां हैं, तो चुनाव आयोग को बीएमसी चुनाव कराने की इतनी जल्दी क्यों है? राज ठाकरे ने दावा किया कि मुंबई उत्तर में 17.29 लाख मतदाता हैं, जिनमें से 62 हजार मतदाता डुप्लिकेट हैं। अपने संबोधन में राज ठाकरे ने दावा किया कि मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में फर्जी या डुप्लीकेट मतदाता मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि जुलाई तक की मतदाता सूची के अनुसार, मुंबई नॉर्थ में 62,370, नॉर्थ वेस्ट में 60,231, नॉर्थ ईस्ट में 92,983, नॉर्थ सेंट्रल में 63,740, साउथ सेंट्रल में 50,565, साउथ में 55,205, नासिक लोकसभा क्षेत्र में 99,673, पुणे में 1 लाख और ठाणे लोकसभा क्षेत्र में करीब 2 लाख फर्जी या डुप्लीकेट मतदाता पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि जब भी चुनाव हों, उससे पहले मतदाता सूची की गलतियों को ठीक करें।

खबर संक्षेप

बेलगावी महाराष्ट्र में कभी नहीं जाएगा: मुख्यमंत्री सिद्धारमैया

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा विवाद पर बयान देते हुए साफ कहा कि बेलगावी मुद्दे पर कोई समझौता नहीं होगा। शनिवार (01 नवंबर) को मैसूर बैंक सर्कल स्थित नृपतुंगा मंडप में आयोजित देवी भुवनेश्वरी और अन्नमा देवी की भव्य शोभायात्रा को सीएम सिद्धारमैया ने हरी झंडी दिखाई। इस दौरान उन्होंने कि बेलगावी कर्नाटक का अभिन्न अंग है और इसे महाराष्ट्र में कभी विलय नहीं करने दिया जाएगा।

दुलारचंद हत्याकांड: पटना के एसपी ग्रामीण का तबादला

पटना। बिहार में चुनाव के दौरान मोकामा विधानसभा क्षेत्र में हाल ही में हुई हिंसा और जनसुराज के समर्थक दुलारचंद यादव की गोली मारकर हत्या करने के संबंध में बड़ी कार्रवाई की है। आयोग ने इस मामले में आयोग ने बाढ़ के एसडीओ चंदन कुमार और एसडीपीओ राकेश कुमार के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई का आदेश दिया है। वहीं, बाढ़-2 के एसडीपीओ अभिषेक सिंह को निलंबित कर दिया गया है। इतना ही नहीं, निर्वाचन आयोग ने इसके साथ ही पटना (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग का तबादला करने का निर्देश भी दिया है। गौरतलब है कि यह कदम आयोग ने क्षेत्र में निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने और प्रशासनिक निष्क्रियता की शिकायतों के मद्देनजर उठाया है।

इसरो अंतरिक्ष में फिर रचेगा इतिहास

आज लॉन्च होगा भारत से अब तक का सबसे भारी उपग्रह

एजेंसी | श्रीहरिकोटा

इसरो रविवार को अपने 4,000 किलोग्राम वर्ग के संचार उपग्रह सीएमएस-03 को लॉन्च करने के लिए पूरी तरह तैयार है। 4,410 किलोग्राम वजनी यह उपग्रह भारतीय धरती से अब तक प्रक्षेपित किया जाने वाला सबसे भारी उपग्रह होगा। यह उपग्रह एलवीएम3-एम5 रॉकेट से अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। इस रॉकेट को अपनी भार उठाने की क्षमता के कारण 'बाहुबली' कहा जाता है। इसरो के अनुसार, लॉन्च वाहन को पूरी तरह असेंबल कर लिया गया है और इसे अंतरिक्ष यान के साथ एकीकृत कर दूसरे लॉन्च पैड पर प्री-लॉन्च तैयारियों के लिए स्थानांतरित कर दिया गया है। मिशन का उद्देश्य सीएमएस-03 मिशन का मकसद भारत और आसपास के समुद्री इलाकों में बेहतर मल्टी-बैंड संचार सेवाएं देना है।

इसरो के शक्तिशाली रॉकेट एलएमवी3-एम5 से होगी लॉन्चिंग

इस सैटेलाइट को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से प्रक्षेपित किया जाएगा। इसरो ने बताया कि सैटेलाइट को लॉन्च रॉकेट के साथ एकीकृत कर दिया गया है और लॉन्च पैड पर तैनात कर लॉन्चिंग की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। लॉन्चिंग 2 नवंबर को शाम करीब 5.26 बजे होनी है। जिस रॉकेट एलएमवी3 से लॉन्चिंग होगी, वह इसरो का सबसे ताकतवर रॉकेट है। इस रॉकेट की मदद से 4000 किलो तक वजनी पेलोड को स्पेस में लॉन्च किया जा सकता है। इसरो ने इससे पहले 5 दिसंबर 2018 को अपने सबसे भारी उपग्रह जीसैट-11 को लॉन्च किया था, लेकिन वह लॉन्चिंग भारत से नहीं बल्कि फ्रेंच गुयाना के कोरोउ लॉन्च बेस से हुई थी।

क्यों खास है ये सैटेलाइट?

सीएमएस-03 सैटेलाइट की मदद से देश में डिजिटल संचार, सैटेलाइट इंटरनेट, समुद्री कनेक्टिविटी को मजबूती मिलेगी। यह उपग्रह (सैटेलाइट) भारत की राष्ट्रीय संचार अवसंरचना में एक बड़ा कदम है, जिससे टीवी प्रसारण, टेलीमेडिसिन, ऑनलाइन शिक्षा, आपदा प्रबंधन और आपातकालीन संचार सेवाओं तक पहुंच और भी प्रभावी होगी। यह मिशन भारत को भविष्य में सैटेलाइट नक्षत्र और गहरे समुद्र में संचार की दिशा में आगे बढ़ाएगा।

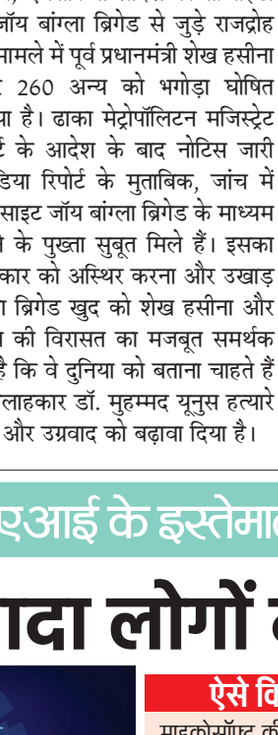

730 से अधिक सड़कों को गोद लेगी मनपा

सफाई और रखरखाव की बढ़ेगी जवाबदेही

धीरज सिंह | मुंबई

मुंबई मनपा शहर की 730 से अधिक सड़कों को गोद लेने की तैयारी में है। इसके तहत 246 कनिष्ठ पर्यवेक्षकों को कम से कम तीन प्रमुख सड़कों की जिम्मेदारी दी जाएगी। उद्देश्य है – नियमित सफाई, स्थायी रखरखाव और सार्वजनिक स्थानों पर बेहतर स्वच्छता सुनिश्चित करना।

स्वच्छता में जनभागीदारी पर जोर

अतिरिक्त मनपा आयुक्त (शहर) अश्विनी जोशी ने बताया कि इस कदम से सार्वजनिक स्थलों की दीर्घकालिक देखभाल और जिम्मेदारी तय होगी। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों की सक्रिय भूमिका बढ़ेगी। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने में मनपा का सहयोग करें।

व्यापक सफाई और मिस्टिंग व्यवस्था

इस योजना के तहत सड़क की पूरी सतह, डिवाइडर, फुटपाथ, सर्विस रोड और फ्लाईओवर के नीचे के हिस्सों की सफाई व रखरखाव होगा। धूल कम करने के लिए सड़कों पर नियमित धुलाई और मिस्टिंग मशीनों से पानी का छिड़काव किया जाएगा। साथ ही दीवारों पर बने चित्रों और संरचनाओं की भी सफाई सुनिश्चित की जाएगी।

शेख हसीना समेत 261 भगोड़े घोषित

ढाका। जॉय बांग्ला ब्रिगेड से जुड़े राजद्रोह केस में जारी किया नोटिस ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की सीआईडी ने जॉय बांग्ला ब्रिगेड से जुड़े राजद्रोह के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 260 अन्य को भगोड़ा घोषित किया है। ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश के बाद नोटिस जारी किया गया। बांग्लादेश के मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जांच में खुलासा हुआ कि ऑनलाइन वेबसाइट जॉय बांग्ला ब्रिगेड के माध्यम से देश-विदेश से साजिश रचने के पुख्ता सुबूत मिले हैं। इसका मकसद कथित तौर पर वैध सरकार को अस्थिर करना और उखाड़ फेंकना शामिल था। जॉय बांग्ला ब्रिगेड खुद को शेख हसीना और उनके पिता शेख मुजीबुररहमान की विरासत का मजबूत समर्थक बताता है। वेबसाइट पर लिखा है कि वे दुनिया को बताना चाहते हैं कि अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार डॉ. मुहम्मद यूनुस हत्यारे हैं और बांग्लादेश में आतंकवाद और उग्रवाद को बढ़ावा दिया है।

बार्क जासूसी कांड

फर्जी वैज्ञानिक को विदेशों से मिली करोड़ों की फंडिंग

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

वर्सोवा से पकड़े गए फर्जी बार्क वैज्ञानिक अख्तर हुसैनी और दिल्ली में गिरफ्तार उसके भाई आदिल हुसैनी को लेकर मुंबई क्राइम ब्रांच खुलासा किया है। दोनों भाई जासूसी गतिविधियों में शामिल के दायरे में हैं। क्राइम ब्रांच की जांच ने बड़ा लंबे समय से होने की आशंका में सामने आया है कि हुसैनी भाइयों को विदेशों से भारी धनराशि ट्रांसफर की गई थी। इन्हें कथित तौर पर बार्क से जुड़ी गुप्त सूचनाएं देने के एवज में पैसे मिले थे।

अमेरिका, ईरान और इराक से करोड़ों रुपये

सूत्रों के मुताबिक जांच में पता चला है कि आरोपियों के बैंक खातों में अमेरिका, ईरान और इराक से करोड़ों रुपये आए थे। यह फंडिंग कथित रूप से जासूसी गतिविधियों से जुड़ी थी। क्राइम ब्रांच सूत्रों के अनुसार दोनों भाई वर्ष 1995 से ही विदेशी फंडिंग प्राप्त कर रहे थे। शुरुआत में लाखों और बाद में रकम बढ़कर करोड़ों रुपये हो गई।

फर्जी नक्शों और सूचनाओं का सौदा

जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी भाभा अणु अनुसंधान केंद्र और अन्य न्यूक्लियर प्लांटों के फर्जी नक्शे दिखाकर गुप्त सूचनाएं देने का दावा करते थे। इसी आधार पर उन्हें विदेशों से पैसा मिलता था। क्राइम ब्रांच के अधिकारियों को पता चला है कि जिन बैंक खातों में करोड़ों रुपये आए थे, उनमें से कई खाते आरोपियों ने पहले ही बंद कर दिए हैं। अब पुराना डेटा जुटाने की प्रक्रिया चल रही है। अधिकारियों ने बताया कि अख्तर हुसैनी के कोटक बैंक के एक खाते का पता चला है। बैंक को पत्र लिखकर लेनदेन का पूरा विवरण मांगा गया है।

फर्जी दस्तावेजों का नेटवर्क

जांच में यह भी सामने आया कि आदिल के कहने पर आरोपी मुनाजिर खान ने कई लोगों के फर्जी दस्तावेज तैयार कर अपने लैपटॉप में रखे थे। इस नेटवर्क का मकसद अभी स्पष्ट नहीं है। क्राइम ब्रांच को शक है कि आदिल की तरह अख्तर भी पाकिस्तान गया हो सकता है और उसका संबंध आईएसआई से हो सकता है। हालांकि फिलहाल इसके साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। मुंबई क्राइम ब्रांच जल्द ही दिल्ली स्पेशल सेल से संपर्क कर आदिल से पूछताछ में जुटाई गई ।

विमान में 'मानव बम' की धमकी

मुंबई। सऊदी अरब के जेद्दा से हैदराबाद आ रहे इंडिगो के विमान 6ई 68 में 'मानव बम' की धमकी मिलने के बाद शनिवार सुबह मुंबई डायवर्ट किया गया। राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट को एक ईमेल मिला। इसमें खुद को 'लिट्टे-आईएसआईएस का सदस्य' बताने वाले व्यक्ति ने 1984 में चेन्नई हवाई अड्डे पर हुए बम विस्फोट जैसी वारदात दोहराने की चेतावनी दी थी। विमान मुंबई में सुरक्षित लैंड हुआ और सभी यात्रियों की सुरक्षा जांच की गई। सुरक्षा एजेंसियां ईमेल की जांच कर रही हैं। इंडिगो के प्रवक्ता ने बताया, 'फ्लाइट 6ई 68 को खतरे की सूचना मिलने पर मुंबई डायवर्ट किया गया।

रिपोर्ट | 4 अरब लोगों के पास अभी एआई के इस्तेमाल के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं

दुनिया के एक अरब से ज्यादा लोगों को रास आया 'एआई'

एजेंसी | नई दिल्ली

दुनिया भर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) मानव इतिहास की सबसे तेजी से अपनाई गई तकनीक साबित हुई है। माइक्रोसॉफ्ट की एआई डिफ्यूजन रिपोर्ट के अनुसार, तीन साल से कम समय में एक अरब से अधिक लोगों को एआई तकनीक रास आ गई है। इंटरनेट, पर्सनल कंप्यूटर या स्मार्टफोन की तुलना में लोगों के बीच यह अधिक तेजी से लोकप्रिय हुआ।

ऐसे किया अध्ययन

माइक्रोसॉफ्ट की एआई फॉर गुड लैब ने कोपायलट, चैटजीपीटी, क्लॉड, जेमिनी और मिड जर्नी जैसे कई एआई उत्पादों से प्राप्त डाटा का विश्लेषण किया, ताकि यह समझा जा सके कि दुनिया में एआई अपनाने को कौन-से कारक प्रभावित कर रहे हैं।

दुनिया की आधी आबादी एआई से दूर

एआई का मजबूत आधार बिजली, कनेक्टीविटी और कंप्यूटिंग है, इसलिए जहां-जहां ये आधार उपलब्ध हैं वहां एआई को अपनाने की दर तेज और जहां ये नहीं हैं वहां एआई की पहुंच धीमी है। करीब चार अरब लोग यानी दुनिया की आधी आबादी अब भी बिजली, इंटरनेट कनेक्टिविटी या डिजिटल कौशल की कमी के कारण एआई तकनीक तक पहुंच नहीं बना पाए हैं।

भारत में एआई अपनाने की दर 14%

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में एआई अपनाने की दर 14.2 फीसदी है। यह 65वें स्थान पर है। यूएई (59.4%), सिंगापुर (58.6%) ,नॉर्वे (45.3%) और आयरलैंड (41.7%) जैसे देश एआई अपनाने में अग्रणी हैं। इन देशों में भले ही शीर्ष स्तर की एआई रिसर्च न हो, फिर भी यहां लोगों के बीच इसे तेजी से अपनाया गया। वहीं, ग्लोबल नॉर्थ में एआई अपनाने की दर ग्लोबल साउथ की तुलना में लगभग दो गुना ज्यादा है। जिन देशों की प्रति व्यक्ति आय 20,000 डॉलर से कम है, वहां यह अंतर और भी अधिक दिखाई देता है।

ड्रग फैक्टरी मिलने पर पेल्हार थाने के वरिष्ठ निरीक्षक निलंबित

ड्यूटी के दौरान लापरवाही पर एक्शन

पालघर। पालघर जिले के पेल्हार इलाके में अवैध मादक पदार्थ फैक्टरी मिलने के बाद पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक ने पेल्हार पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जीतेंद्र वनकोटि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। कमिश्नर ने कहा कि ड्यूटी में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और भविष्य में भी ऐसी चूक पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुंबई पुलिस ने पिछले सप्ताह मुंबई-अहमदाबाद हाईवे के पास, पेल्हार थाना सीमा से मात्र 200-300 मीटर दूर चल रही इस अवैध फैक्टरी पर छापा मारा। पुलिस को यहां से बड़े पैमाने पर मादक पदार्थ बरामद हुए। हैरानी की बात

यह थी कि यह फैक्टरी कई महीनों से संचालित थी, लेकिन स्थानीय पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी। जांच में सामने आया है कि यह नेटवर्क बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों का उत्पादन और आपूर्ति कर रहा था। स्थानीय युवाओं को इस नेटवर्क का निशाना बनाया जा रहा था, जिससे क्षेत्र में नशे का खतरा बढ़ रहा था।

अपराध के लिए जगह नहीं : कमिश्नर

पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक ने कहा कि वसई-विरार में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि कानून-व्यवस्था की अनदेखी करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। फैक्टरी में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस जांच कर रही है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग जुड़े थे और यह कितने समय से सक्रिय था। मामले में बड़ी कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

हुड़दंगियों ने किया हंगामा

सैकड़ों गाड़ियों के साथ तोड़फोड़

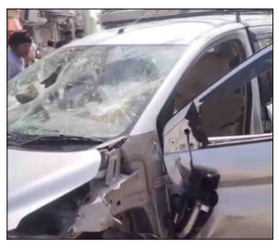

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

शहर के दसहरा मैदान स्थित भाऊ गोप बहरानी चौक पर शनिवार देर रात मनचलों की टोली ने अचानक उत्पात मचाया। उपद्रवियों ने इलाके में खड़ी कई गाड़ियों पर हमला करते हुए तोड़फोड़ की, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गिरोह ने मौके पर खड़ी 7–8 कारें, टेम्पो और करीब 15–20 मोटरसाइकिलों को निशाना बनाया। कई वाहनों के शीशे टूट गए और बॉडी पर गंभीर नुकसान हुआ। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि मनचलों का यह झुंड बिना किसी कारण के उत्पात मचाते हुए आगे बढ़ गया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस तुरंत भारी संख्या में घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है और जल्द ही गिरफ्तारी की संभावना जताई जा रही है। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आरोपी गिरोह का मकसद क्या था। अचानक हुई इस घटना से स्थानीय निवासियों में अफरा-तफरी और दहशत फैल गई। लोगों का कहना है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाई जानी चाहिए।

कीचड़ में फंसी कोपरी की ज़िंदगी

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे के कोपरी इलाके में लगातार बारिश और इमारतों की खुदाई से निकली मिट्टी ने सड़कों को कीचड़ के दलदल में बदल दिया है। पहले से बारिश से परेशान नागरिक अब इस कीचड़ के कारण और भी मुसीबत में हैं। पैदल यात्री, स्कूली छात्र, घरेलू कामगार और दोपहिया वाहन चालक हर रोज जान जोखिम में डालकर सफ़र कर रहे हैं। कोपरी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पुनर्विकास का काम चल रहा है। इन प्रोजेक्ट्स के लिए सुबह से देर रात तक लगातार खुदाई और डंपरों की आवाजाही होती है। मिट्टी सड़क पर फैल जाती है और बारिश

का पानी पड़ते ही वह कीचड़ में बदलकर फिसलन भरी सतह बना देती है। दोपहिया वाहनों के फिसलने और कपड़े गंदे होने जैसी घटनाएँ रोजाना सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि काम के दौरान मिट्टी को ढका नहीं जाता और नगर निगम की ओर से भी निगरानी ढीली है। इसका नतीजा यह है कि सड़कों पर पैर रखने तक की जगह नहीं बचती।

दुर्घटना का खतरा बढ़ा, लोग बदल रहे रास्ता

स्कूल और कार्यालय समय में इन सड़कों पर भारी भीड़ रहती है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। रिक्शा और दोपहिया वाहन चालकों ने अब इन कीचड़ भरी सड़कों से बचना शुरू कर दिया है। नागरिकों ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन जल्द कदम उठाकर इस समस्या से राहत दिलाएगा।

नागरिकों में प्रशासन के प्रति नाराज़गी

निवासियों का कहना है कि मानसून से पहले सड़क मरम्मत और मिट्टी प्रबंधन के निर्देश दिए गए थे, लेकिन उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। 'मानसून का मौसम अव्यवस्था, धूल-कीचड़ और ट्रैफिक जाम लेकर आया है, फिर भी प्रशासन मौन है,' ऐसा निवासियों का आरोप है।

नगर निगम से त्वरित कार्रवाई की मांग

स्थानीयों ने ठाणे नगर निगम से तुरंत कार्रवाई करने की माँग की है। उनका कहना है कि 'हर दिन करोड़ों रुपए कमाने वाला नगर निगम इस परेशानी पर चुप क्यों है?' नागरिकों ने सड़क से मिट्टी हटाने और नियमित सफाई के लिए विशेष टीम लगाने की अपील की है।

बारिश के कारण रिक्शा चालक का घर ढहा

डीबीडी संवाददाता । डोंबिवली

डोंबिवली पश्चिम के भारत भोईर नगर में शुक्रवार रात करीब 10:30 बजे भारी बारिश के चलते एक चॉल में बना घर अचानक ढह गया। हादसा केडीएमसी वार्ड कार्यालय के सामने वाले इलाके में हुआ। गनीमत रही कि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। घटना की सूचना मिलते ही कल्याण-डोंबिवली नगर पालिका की फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची और तुरंत राहत कार्य शुरू किया।

विधायक रवींद्र चव्हाण ने दिए सहायता के निर्देश

स्थानीय भाजपा विधायक एवं प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण को कार्यकर्ताओं ने हादसे की जानकारी दी, जिसके बाद उन्होंने तत्काल अपने कार्यकर्ताओं को प्रभावित परिवार की मदद के निर्देश दिए। फिलहाल तायडे परिवार अपने रिश्तेदारों के घर शिफ्ट हो गया है।

परिवार समय रहते बाहर निकला

राजधानी अपार्टमेंट के पास पूर्व नगरसेवक वामन म्हात्रे के पुराने घर के बगल में स्थित नागु बालू म्हात्रे की चॉल में रिक्शा चालक संजय तायडे अपने परिवार के साथ रहते हैं। शुक्रवार रात तायडे परिवार खाना खाने के बाद सोने की तैयारी कर रहा था तभी छत से तेज आवाज आने पर सभी सदस्य सतर्क हो गए और घर से बाहर निकल आए। कुछ ही पल बाद लोहे के एंगल और चादरों समेत पूरी छत भरभराकर गिर गई। छत गिरने के बावजूद बड़ा हादसा इसलिए टल गया क्योंकि चादरें अटारी पर अटक गईं और सीधे घर के अंदर नहीं गिरीं। इसके बावजूद किचन और घर का सामान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। भारी बारिश के बीच छत गिरने से घर में कीचड़ भर गया और पूरा सामान भीग गया। सूचना मिलते ही गरीबचवाड़ा स्थित फायर ब्रिगेड टीम ने मौके पर पहुंचकर मलबा हटाने का काम शुरू किया।

संत ज्ञानेश्वर वारकरी भवन का हुआ उद्घाटन

विनय दूबे । भाईंदर

महाराष्ट्र के लोकप्रिय कीर्तनकार इंदुरीकर महाराज की विशेष उपस्थिति में परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने काशीमीरा में नवनिर्मित संत ज्ञानेश्वर वारकरी भवन का भव्य उद्घाटन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में वारकरी बंधु, भजन मंडल और कीर्तन प्रेमी उपस्थित रहे। मीरा भाईंदर शहर में रहने वाले श्री हरि विट्ठल भक्त वारकरी संप्रदाय का वर्षों पुराना सपना 31 अक्टूबर को पूरा हुआ। उद्घाटन समारोह के दौरान कई बुजुर्ग भक्तों की आंखों में प्रभु प्रेम के अश्रु छलक उठे। यह भवन परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक की पहल पर राज्य सरकार की विशेष निधि से बनाया गया है।

दो मंजिला भवन में होंगे भक्ति और प्रशिक्षण कार्यक्रम

मीरा इंडस्ट्रियल एस्टेट परिसर में निर्मित दो मंजिला इस भवन के निर्माण पर लगभग 2 करोड़ रुपए की लागत आई है। भवन में वारकरी युवाओं को मार्गदर्शन, नए कीर्तनकारों का प्रशिक्षण, और संत साहित्य अध्ययन के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। साथ ही, भजन-कीर्तन, प्रवचन और वार्षिक धार्मिक कार्यक्रमों के लिए एक विशाल सभागृह भी बनाया गया है।

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने शहर के केरला समाज के लोगों की उपस्थिति में आरक्षण क्रमांक 219 पर केरला समाज भवन का भूमिपूजन किया और राज्य सरकार की ओर से केरला वासियों को भवनरूपी दिवाली का उपहार प्रदान किया।

भक्ति और संगीत से गूंज उठा नाट्यगृह

भारत रत्न स्व. लता मंगेशकर नाट्यगृह में आयोजित उद्घाटन समारोह के दौरान पूरा परिसर श्री पांडुरंग के भजनों से गूंज उठा। ताल और मृदंग की मधुर ध्वनि के साथ वातावरण विट्ठलमय हो गया। भक्तों ने उत्साह और श्रद्धा के साथ संत परंपरा का गुणगान किया।

माऊली के आशीर्वाद से सपना हुआ पूरा : मंत्री सरनाईक

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि 'माऊली के आशीर्वाद से यह भवन का सपना साकार हुआ है। यह स्थान संत परंपरा, भक्ति और सामाजिक प्रबोधन का अद्भुत संगम बनेगा।' उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की संस्कृति में वारकरी संप्रदाय की अहम भूमिका रही है और यह भवन उसी परंपरा को आगे बढ़ाने का केंद्र बनेगा।

वसई में बिजली समस्याओं पर उच्चस्तरीय बैठक

- विधायक स्नेहा दुबे-पंडित ने अधिकारियों को दिए निर्देश, जल्द समाधान का आश्वासन

ओपी यादव । वसई

वसई विधानसभा क्षेत्र में बिजली आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों और अवसंरचना संबंधी समस्याओं को लेकर विधायक स्नेहा दुबे-पंडित की अध्यक्षता में वसई पश्चिम स्थित जनसंपर्क कार्यालय में महावितरण अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में कल्याण जोन के मुख्य

अभियंता चंद्रमणि मिश्रा, वसई परिमंडल के अधीक्षक अभियंता संजय खंदारे, वसई विभाग के कार्यकारी अभियंता प्रवीण सुटे, विरार विभाग के कार्यकारी अभियंता उमेश लेले सहित अन्य अतिरिक्त कार्यकारी अभियंता उपस्थित रहे।

विकास और मरम्मत कार्यों की समीक्षा

बैठक में वसई-विरार क्षेत्र में लंबित विकास कार्यों, मरम्मत कार्यों और निर्बाध बिजली आपूर्ति में आने वाली तकनीकी चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने पिछली बैठक में दिए गए सुझावों पर अब तक हुई प्रगति की जानकारी प्रदान की।

मुख्य अभियंता चंद्रमणि मिश्रा और अधीक्षक अभियंता संजय खंदारे ने विधायक को बिजली आपूर्ति सुधार के लिए उठाए गए कदमों और जारी कार्यों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। बैठक के अंत में विधायक स्नेहा दुबे-पंडित ने कहा कि वसई-विरार के नागरिकों और उद्योगों को स्थिर, विश्वसनीय और बेहतर बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने दिया शीघ्र समाधान का आश्वासन

महावितरण अधिकारियों ने विधायक के सुझावों का स्वागत किया और आश्वासन दिया कि बिजली से जुड़े सभी मुद्दों का जल्द समाधान किया जाएगा, ताकि क्षेत्र में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

अस्पताल में शराब ले जाते व्यक्ति को सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ा

दवा पैकेट में छुपाई थी शराब

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर के मध्यवर्ती अस्पताल में प्रशासन की सतर्कता रंग लाई, जब सुरक्षाकर्मियों ने एक व्यक्ति को दवा के पैकेट में शराब की बोतल छुपाकर अस्पताल में लाने की कोशिश करते हुए पकड़ लिया। आरोपी का नाम गणेश भगवन चव्हान बताया गया है। शनिवार दोपहर अस्पताल के मुख्य प्रवेश द्वार पर सुरक्षा जांच के दौरान चव्हान सुरक्षाकर्मियों

की नजर बचाकर अंदर जाने की कोशिश कर रहा था। शक होने पर सुरक्षा कर्मियों ने उसकी जांच की तो दवा पैकेट में छुपाई गई शराब की बोतल बरामद हुई। इसके बाद उसे अंदर जाने से रोक दिया गया। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि गुटखा, तंबाकू और शराब जैसे नशे के पदार्थों पर रोक होने के बावजूद कुछ लोग इन्हें अंदर लाने की कोशिश करते रहते हैं।

अस्पताल प्रशासन की सख्त चेतावनी

अस्पताल प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि मरीजों और परिजनों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। अस्पताल में नशे के पदार्थों की कोई जगह नहीं है और नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी की गई है, ताकि अस्पताल में सुरक्षित और सकारात्मक माहौल बना रहे।

नशे का तस्कर गिरफ्तार 400 कोरेक्स बोतलें जब्त

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

नशे के अवैध कारोबार पर कार्रवाई करते हुए डीसीपी परिमंडल-3 के विशेष स्क्वाड ने शनिवार को बड़ी सफलता हासिल की। पुलिस ने कल्याण (पश्चिम) बाजारपेठ थाना क्षेत्र से एक आरोपी को पकड़ते हुए उसके पास से 400 कोरेक्स सीरप की बोतलें बरामद कीं, जिनकी कीमत करीब 4 लाख रुपए बताई जा रही है। फोर्टिस हॉस्पिटल के पास सपोनी गायकवाड के नेतृत्व में पथक गश्त कर रहा था। इसी दौरान एक संदिग्ध युवक मोटरसाइकिल पर भारी मात्रा में सामान ले जाता दिखा। तलाशी में उसके पास से बड़ी मात्रा

में प्रतिबंधित कोरेक्स सीरप बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी मोहम्मद मताब अनिस रईस (33), निवासी गोल्डन प्लाज़ा, ओल्ड फिश मार्केट, मौलाना शौकत अली चौक, कल्याण पश्चिम को गिरफ्तार किया। उसके पास से बाइक (कीमत 60,000) और 3,660 नकद भी जब्त किया गया। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी के खिलाफ पहले भी एमएफसी पुलिस थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज है।

देसी कट्टा के साथ युवक गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

क्राइम ब्रांच ने एक संदिग्ध युवक को देशी कट्टा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अमित तिलकराम चौधरी (25) के रूप में हुई है। सूत्रों के मुताबिक क्राइम ब्रांच टीम को जानकारी मिली थी कि भानुशाली नगर, जैन मंदिर, खडेगोळवली गांव और कोळसेवाडी (कल्याण पूर्व) इलाके में एक युवक हथियार लेकर आने वाला है। सूचना मिलते ही कार्रवाई शुरू कर दी गई।

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक योगेश आव्हाड के मार्गदर्शन में क्राइम ब्रांच टीम की गणेश गावडे, राजेंद्र

थोरवे, चंद्रकांत सावंत, रितेश वंजारी और सुरेश जाधव की टीम मौके पर पहुंची और इलाके में जाल बिछाया। कुछ देर बाद एक युवक संदिग्ध हालत में दिखाई दिया। टीम ने उसे तुरंत हिरासत में लेकर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस मिले, जिनकी कीमत लगभग 16 हजार रुपए बताई जा रही है।

आरोपी को कोळसेवाडी पुलिस को सौंपा गया

क्राइम ब्रांच ने आरोपी को बरामद हथियारों सहित कोळसेवाडी पुलिस के हवाले कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है कि हथियार कहां से लाया गया और इसका उपयोग किस उद्देश्य के लिए होने वाला था। जांच में यह भी पता लगाने की कोशिश है कि युवक का किसी गैंग या आपराधिक गिरोह से संबंध है या नहीं।

अवैध मांस तस्करी का भंडाफोड़, दंपत्ति गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । डोंबिवली

डोंबिवली में एक सतर्क नागरिक की शिकायत पर मानपाड़ा पुलिस ने अवैध पशु मांस तस्करी का मामला उजागर किया है। कटाई-बदलापुर पाइपलाइन रोड पर हेडुताने गांव की सीमा में ईवा स्कूल और नाना ढाबा के सामने एक रिक्शा से संदिग्ध मांस बरामद किया गया, जिसकी कीमत करीब 47,000 रुपए बताई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मांस को जब्त कर लिया। रिक्शा में से लाए जा रहे मांस को पशु चिकित्सा विभाग ने

फिलहाल कब्जे में लेकर जांच हेतु प्रयोगशाला भेज दिया है ताकि यह पता चल सके कि यह किस जानवर का मांस है। घटना में शामिल दंपत्ति — मोहम्मद अब्दुल अजीज अली शेख (50) और सुरैया मोहम्मद अजीज अली शेख (45), जो डोंबिवली पश्चिम के ठाकुरवाड़ी इलाके के निवासी हैं — उसको पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

नवी मुंबई आयुक्त आवास पर 130 वोटर पंजीकरण मामले पर प्रशासन की सफाई

नवी मुंबई। कुछ समाचार पत्रों में नवी मुंबई नगर निगम आयुक्त के आवास पर 130 मतदाताओं के पंजीकरण का दावा किया गया था। इस खबर ने प्रशासनिक हलकों में चर्चा पैदा की। 151-बेलापुर विधानसभा क्षेत्र के मतदाता पंजीकरण अधिकारी ने जांच रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि यह दावा तथ्यात्मक रूप से गलत है और वास्तविकता से मेल नहीं खाता। मतदाता सूची के भाग संख्या 300 में सेक्शन का नाम 'नगर आयुक्त निवास' सिर्फ एक प्रमुख स्थल (लैंडमार्क) के रूप में दर्ज है। रिपोर्ट के अनुसार, सूची में किसी भी मतदाता के पते में ''नवी मुंबई नगर

निगम आयुक्त निवास'' दर्ज नहीं है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सेक्शन नेम मात्र लोकेशन पहचान के लिए है, इसलिए ''आयुक्त के निवास पर 130 मतदाता'' की बात गलत है और उसमें कोई तथ्य नहीं है। समाचार में भाग क्रमांक 148 में ''सुलभ शौचालय'' पर मतदाता पंजीकरण का जिक्र था। जांच में पाया गया कि वह दो मंजिला ढांचा है, जिसकी ऊपरी मंजिलों पर पहले लोग रहते थे और उनके नाम निर्धारित प्रक्रिया के तहत हटाए जा रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि जो मतदाता अब उस स्थान पर नहीं रहते, उनके नाम हटाने की प्रक्रिया मतदाता नियमों के अनुसार जारी है।

जिला कलेक्टर ने दी जानकारी

ठाणे के जिला कलेक्टर एवं जिला चुनाव अधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने बताया कि जांच में मीडिया रिपोर्ट में किया गया दावा निराधार पाया गया है। अधिकारियों ने इस समाचार को तथ्यों से परे बताया और कहा कि मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की अनियमितता के आरोप निराधार हैं। प्रशासन ने कहा कि मतदाता सूची तैयार करने में पारदर्शिता बरती जाती है और संदेह होने पर जांच की प्रक्रिया भी तय नियमों के अनुसार होती है। अधिकारियों ने कहा कि यदि भविष्य में कोई शिकायत या संदेह सामने आता है, तो भी कानूनन जांच की जाएगी ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर किसी का अविश्वास न हो।

जयराम स्मृति भवन में पानी की किल्लत से परेशान निवासी

डीबीडी संवाददाता । डोंबिवली

डोंबिवली के अजड़े गाँव स्थित जयराम स्मृति भवन के निवासी इन दिनों पानी की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। भवन में कुल 21 परिवार रहते हैं, लेकिन नियमित पानी की आपूर्ति न होने के कारण उन्हें मजबूरी में टैंकरों से पानी मंगवाना पड़ रहा है। निवासियों का कहना है कि आसपास की कुछ इमारतों ने अवैध रूप से पानी की लाइन जोड़ ली है, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ गई है।

निवासियों के मुताबिक, भारी बारिश के कारण बाँधों में पर्याप्त पानी मौजूद है, फिर भी जयराम स्मृति भवन के निचले टैंक में एक

फुट भी पानी नहीं है। स्थिति इतनी गंभीर है कि लोग घरेलू चंदा इकट्ठा करके टैंकर मंगवाने को मजबूर हैं, जबकि कई परिवार छोटे टैंकर लेकर अपने-अपने स्तर पर काम चला रहे हैं। पानी की आपूर्ति न होने से लोगों को दैनिक कार्यों में कठिनाई हो रही है और वे मेहमानों को घर बुलाने से भी परहेज़ कर रहे हैं।

स्थानीय निकाय चुनाव की तैयारी तेज

तारीखों का ऐलान जल्द

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

प्रदेश में नगर परिषदों और नगर पंचायतों के चुनाव जल्दी ही घोषित किए जा सकते हैं। इन चुनावों के लिए अंतिम मतदाता सूची 31 अक्टूबर को प्रकाशित हो चुकी है। उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री अजित पवार ने हाल में कहा था कि एक सप्ताह के भीतर आदर्श आचार संहिता लागू हो सकती है, जिससे संकेत मिलते हैं कि राज्य में चुनावी बिगुल जल्द ही बजने वाला है।

कितने निकायों में होंगे चुनाव?

कुल 29 महानगर पालिकाएं, 248 नगर परिषदें और 147 नगर पंचायतों में चुनाव होना है। इसके अलावा 34 जिला परिषदों और 351 पंचायत समितियों के चुनाव भी प्रलंबित हैं। आंकड़ों के अनुसार 29 महानगर पालिकाएं, 248 नगर परिषदें, 42 नगर पंचायतें, 32 जिला परिषदें और 336 पंचायत समितियां चुनाव का इंतजार कर रही हैं।

तीन चरणों में होगा मतदान

राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार स्थानीय निकाय चुनाव तीन चरणों में कराए जाएंगे। पहले चरण में नगर परिषदों और नगर पंचायतों के चुनाव होंगे। इसके बाद जिला परिषद और पंचायत समितियों के लिए वोटिंग होगी। अंतिम चरण में मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई सहित 29 महानगर पालिकाओं के चुनाव होंगे। महानगर पालिका चुनाव के लिए जनवरी में मतदान प्रस्तावित है। सुप्रीम कोर्ट ने आयोग को 31 जनवरी तक सभी निकाय चुनाव कराने के निर्देश दिए हैं।

एयरपोर्ट पर 47 करोड़ की कोकीन बरामद, पांच गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की टीम ने मुंबई एयरपोर्ट पर विशेष अभियान के तहत 4.7 किलोग्राम कोकीन जब्त की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 47 करोड़ रुपये आंकी गई है। इस मामले में अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। डीआरआई की टीम इस पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है।

पूछताछ में खुलासा

डीआरआई अधिकारियों के अनुसार, नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ मुंबई एयरपोर्ट पर चल रहे विशेष अभियान के दौरान कोलंबो से आई एक महिला यात्री को रोका गया। जांच में उसके सामान में कॉफी पाउडर के नौ पैकेटों में सफेद रंग का पदार्थ छिपा पाया गया, जो कोकीन निकला। महिला को तुरंत गिरफ्तार किया गया और पूछताछ के बाद चार अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया। सभी आरोपितों के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 के तहत कार्रवाई की गई है।

धोखाधड़ी और ठेकेदार को धमकी देने के आरोप में बिल्डर गिरफ्तार

सिविल कॉन्ट्रैक्टर की शिकायत पर कार्रवाई, पांच आरोपी फरार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई पुलिस ने बांद्रा में 9.57 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में बिल्डर नीरज कक्कड़ और उनके सहयोगी विकास कदम को गिरफ्तार किया है। इस मामले में तीन अन्य आरोपित अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। जांच बांद्रा पुलिस स्टेशन कर रहा है। पुलिस के मुताबिक खलीफा इंफ्रास्ट्रक्चर एलएलपी के पार्टनर और सिविल कॉन्ट्रैक्टर सोहेल सूबेदार ने शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत में कहा गया कि 2020 में एक परिचित के माध्यम से उनका कक्कड़ से संपर्क हुआ और बांद्रा पश्चिम स्थित नाइक कक्कड़ निवास हाउसिंग प्रोजेक्ट में स्ट्रक्चरल और फिनिशिंग कार्य का ठेका मिला।

9.57 करोड़ रुपये की बकाया राशि

सूबेदार की फर्म ने पूरा काम पूरा किया, जिसका मूल्य जीएसटी छोड़कर 9 .57 करोड़ रुपये था। आरोप है कि काम पूरा होने के बाद भी बिल्डर ने तय रकम का भुगतान नहीं किया और रकम मांगने पर धमकियां दीं। इसके आधार पर पुलिस ने कक्कड़ और उनके सह-आरोपी को बांद्रा स्थित घर से गिरफ्तार किया।

आरोपियों में परिवार के सदस्य भी शामिल

पुलिस ने बताया कि इस मामले में बिल्डर की पत्नी दिव्या, बेटा साहिल, सहयोगी उज्ज्वल सिंह और विकास कदम सहित कुल पांच लोग आरोपी हैं। इनमें से दिव्या, साहिल और उज्ज्वल सिंह अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है; जबकि विकास कदम को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपितों ने कहीं अन्य परियोजनाओं में भी इसी तरह की धोखाधड़ी तो नहीं की। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फरार आरोपियों को जल्द पकड़ लिया जाएगा।

पीड़ित पक्ष ने मांगी सुरक्षा

इस बीच शिकायतकर्ता सूबेदार ने पुलिस से सुरक्षा की भी मांग की है, क्योंकि आरोप है कि उन्हें लगातार धमकियां मिल रही थीं। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि मामले में निष्पक्ष जांच की जाएगी और पीड़ित को सुरक्षा उपलब्ध कराई जाएगी।

महिला ने की आत्महत्या, पति-ससुराल पर उत्पीड़न का आरोप

मुंबई। घाटकोपर (पश्चिम) में रहने वाली 23 वर्षीय हजीरा खातून ने 29 अक्टूबर को कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। आरोप है कि वह अपने पति और ससुरालवालों द्वारा लगातार मानसिक और शारीरिक शोषण से परेशान थी। घाटकोपर पुलिस ने मृतका के भाई गुलाम रसूल की शिकायत पर उसके पति मोहम्मद इम्तियाज (25), ससुर मोहम्मद हलीम और ननद सबाना के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायत में उत्पीड़न और दहेज को लेकर दबाव का आरोप लगाया गया है। हजीरा की शादी 2 दिसंबर, 2023 को इम्तियाज से हुई थी। कुछ समय तक सब सामान्य रहा, लेकिन बाद में घरेलू विवाद और कथित मारपीट के चलते हजीरा मायके चली गई थी। पति के समझाने पर वह वापस मुंबई लौटी, लेकिन आरोप है कि इसके बाद फिर से पैसे की मांग को लेकर शोषण बढ़ गया। परिजनों ने बताया कि गर्भावस्था के दौरान भी हजीरा तनाव में रही। ससुराल लौटने के बाद कथित तौर पर पति, ससुर और ननद द्वारा मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना की गई।

उत्तर मुंबई में फिटनेस का महाकुंभ

'सांसद खेल महोत्सव 2025' का आयोजन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

उत्तर मुंबई में खेल और फिटनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित 'सांसद खेल महोत्सव 2025' की तैयारियां पूरे जोर-शोर से चल रही हैं। यह आयोजन केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री और उत्तर मुंबई के सांसद पीयूष गोयल की पहल पर स्थानीय विधायकों और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से किया जा रहा है। भव्य उद्घाटन 2 नवंबर को शाम 4:30 बजे स्व. प्रमोद महाजन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बोरिवली (पश्चिम) में होगा।

पूरे महीने विभिन्न स्थलों पर होंगी प्रतियोगिताएं

नवंबर माह भर उत्तर मुंबई संसदीय क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इस महोत्सव के माध्यम से क्षेत्र में खेल संस्कृति को प्रोत्साहन देने और अधिक से अधिक युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

फिट इंडिया और खेलो इंडिया से प्रेरित आयोजन

यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया और खेलो इंडिया अभियानों से प्रेरित है। उद्घाटन दिवस पर करीब 500 खिलाड़ी कबड्डी, खो-खो, मलखंब, कुश्ती, बॉडीबिल्डिंग, मर्दानी खेल, फुटबॉल और ढोल-ताशा प्रस्तुति सहित लगभग 10 प्रकार की प्रतियोगिताओं में अपना दमखम दिखाएंगे। उद्घाटन समारोह में 5000 से अधिक खेल प्रेमियों और गणमान्य नागरिकों के शामिल होने की संभावना है। आयोजन समिति का कहना है कि इस महोत्सव का उद्देश्य युवाओं और वयस्कों में फिटनेस, टीम भावना और सामाजिक एकजुटता को मजबूत करना है।

सभी आयु वर्ग के प्रतिभागियों के लिए खुला मंच

यह कार्यक्रम पारंपरिक और आधुनिक खेलों का अनोखा संगम होगा, जिसमें गृहिणियों, छात्रों, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजन सहित सभी आयु वर्ग के प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। 10 अक्टूबर 2025 को शुरू हुए ऑनलाइन पंजीकरण में लोगों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया है और पंजीकरण महोत्सव के समापन तक खुला रहेगा।

जन आंदोलन का रूप लेगा खेल महोत्सव: पीयूष गोयल

पीयूष गोयल ने कहा कि 'सांसद खेल महोत्सव 2025' केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि यह उत्तर मुंबई को फिटनेस, एकता और गर्व की भावना से जोड़ने वाला जन आंदोलन है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' विज़न का हिस्सा है। गोयल ने नागरिकों से अधिक से अधिक भागीदारी का आग्रह करते हुए कहा कि इससे हर वर्ग को खेल के माध्यम से जुड़ने और फिटनेस यात्रा का हिस्सा बनने का अवसर मिलेगा।

मुंबई एयरपोर्ट पर 25 फीट की ऊंचाई से गिरा कर्मचारी, मौत

आकस्मिक मौत का मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कन्वेयर बेल्ट की जांच कर रहे 30 वर्षीय तकनीकी सुपरवाइजर दुर्गेश पांडे की 25 फीट ऊंचाई से गिरने पर मौत हो गई। सहार पुलिस स्टेशन इस घटना की जांच कर रहा है।

निरीक्षण के दौरान हुआ हादसा

पुलिस के अनुसार, दुर्गेश पांडे प्रभात एसोसिएट्स स्टोर में कार्यरत थे, जो उनके चाचा सुजीत कुमार ओझा का है। वह 30 अक्टूबर को शाम करीब 4:45 बजे अपने सहयोगी दिलीप कुमार सरन के साथ लेवल-2 की छत पर बेल्टवे निरीक्षण कर रहे थे। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वे 25 फीट नीचे गिर पड़े। गिरने के बाद दुर्गेश के सिर में गंभीर चोट आई। उन्हें तुरंत विले पार्ले (पश्चिम) स्थित नानावटी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। डॉक्टरों ने काफी प्रयास किया लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। सहार पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नारियल विक्रेता की हत्या

नशे के लिए लूट की नीयत से चाकू से वार कर की हत्या

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

गोवंडी इलाके में शनिवार तड़के एक 25 वर्षीय युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। नारियल विक्रेता मीर कासिम एनुल नदाब पर आरोपी ने चाकू से सीने पर वार किया और गला रेत दिया। पुलिस के अनुसार हत्या लूट के इरादे से की गई थी, क्योंकि आरोपी नशे का आदी था और पैसों की तलाश में था।

आरोपी गिरफ्तार

शिवाजी नगर पुलिस ने मामले में बीएनएस की धारा 103 (हत्या), 135 (चोरी) और 37(1)(ए) (आपराधिक कृत्य) के तहत एफआईआर दर्ज कर 23 वर्षीय साजिद कुरैशी उर्फ महफूज उर्फ सैफू चिकना को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि घटना के बाद आरोपी इलाके से भागने की कोशिश में था, लेकिन सीसीटीवी फुटेज ने उसकी पहचान पुख्ता कर दी।

झारखंड से आए थे कासिम, परिवार चलाता था नारियल कारोबार

कासिम मूल रूप से झारखंड के रहने वाले थे और मुंबई में अपने भाई अल्ताफ नदाब व चचेरे भाइयों के साथ रहते थे। परिवार गोवंडी में नारियल का कारोबार करता था। बीएमसी स्कूल के पास किराए के गोदाम में रोजाना ट्रक से नारियल उतारते थे। कासिम लेन-देन संभालते थे और अक्सर 50,000 से 80,000 रुपए नकद अपने पास रखते थे।

सुबह 4:30 पर निकले थे घर से, सड़क किनारे मिला खून से लथपथ

शनिवार सुबह करीब 4:30 बजे कासिम काम के लिए घर से निकले, लेकिन एक घंटे बाद भी फोन न उठाने पर उनका परिवार चिंतित हुआ। तलाश करने पर बीएमसी स्कूल गेट के पास वह खून से लथपथ पड़े मिले। परिजन उन्हें नूर अस्पताल ले गए, जहां हालत गंभीर देख राजावाड़ी अस्पताल रेफर किया गया। डॉक्टरों ने वहां उन्हें मृत घोषित कर दिया। सीसीटीवी फुटेज में दिखा कि आरोपी सैफू कासिम का पीछा कर रहा था। कासिम जैसे ही दो गाड़ियों के बीच रुके, सैफू ने चाकू से हमला किया और बैंगनवाड़ी की ओर भाग गया। कुछ समय बाद घायल कासिम लड़खड़ाते हुए गोदाम की ओर बढ़ते दिखे और स्कूल गेट के पास गिर पड़े। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि नशे की आदत के कारण पैसे की जरूरत थी और इसी वजह से उसने लूट के इरादे से हमला किया। पुलिस अब मामले की आगे जांच कर रही है और यह पता लगा रही है कि आरोपी के पीछे कोई और शामिल है या नहीं।

पवई एनकाउंटर

पुलिस अधिकारी को सम्मानित करेंगे विधायक

मुंबई। पवई में वेब सीरीज के ऑडिशन के बहाने बच्चों को बंधक बनाने की घटना में पुलिस की गोली से मारे गए रोहित आर्या मामले को लेकर जहां विपक्ष और समाज का एक वर्ग मुंबई पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहा है, वहीं सत्ताधारी भाजपा विधायक संजय उपाध्याय ने आरोपी पर गोली चलाने वाले पुलिस सब इंस्पेक्टर अमोल वाघमारे को सम्मानित करने की घोषणा की है। विधायक उपाध्याय ने कहा कि वह जल्द ही पवई पुलिस स्टेशन जाकर इस बहादुर अधिकारी को सम्मानित करेंगे, क्योंकि उन्होंने बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए साहसिक निर्णय लिया।

डीआरआई को पाकिस्तानी मूल के सूखे खजूर के अवैध आयात की जांच जारी रखने की अनुमति

मुंबई। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने पाकिस्तानी मूल के सूखे खजूर के कथित अवैध आयात की जाँच पूरी करने के लिए राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई), मुंबई पर बॉम्बे उच्च न्यायालय द्वारा लगाई गई सख्त समय-सीमा पर रोक लगा दी है। केंद्रीय एजेंसी ने शनिवार को बताया कि शीर्ष अदालत ने डीआरआई और जाँच अधिकारी को भारतीय व्यापार नियमों के तहत प्रतिबंधित वस्तुओं के संदिग्ध अवैध आयात की जाँच बिना किसी बाधा के जारी रखने की अनुमति भी दे दी है।

महिला क्रिकेट विश्व कप फ़ाइनल के लिए हार्बर लाइन मेगा ब्लॉक रद्द

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महिला क्रिकेट विश्व कप फ़ाइनल के मद्देनज़र 2 नवंबर 2025 को कुर्ला और वाशी के बीच हार्बर लाइन पर निर्धारित मेगा ब्लॉक रद्द कर दिया गया है। यह ब्लॉक पहले सेमीफ़ाइनल मैच से पहले तय किया गया था, लेकिन अब मैच देखने के लिए यात्रा करने वाले क्रिकेट प्रेमियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इसे रद्द किया गया है। हालांकि, मेन लाइन पर मेगा ब्लॉक निर्धारित समय पर ही रहेगा और हार्बर लाइन की ट्रेनें रविवार की समय-सारिणी के अनुसार संचालित होंगी।

पश्चिम रेलवे

मरम्मत एवं पुनर्नवीनीकरण कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (रोलिंग स्टॉक), ई.एम.यू. कारशेड, मुंबई सेंट्रल मंडल,पश्चिम रेलवे, मुंबई – 400 034 **ई-निविदा सूचना निविदा क्रमांक : DRM/RS/2025-26/12 दिनांक 28.10.2025 आमंत्रित करते हैं कार्य का नाम:** drg संख्या EMU/DMC/AC-5-8-001 के अनुसार ए.सी. कोचों के दरवाजे की शीशे की पत्ती (Door Leaf Glass) की मरम्मत एवं पुनर्नवीनीकरण कार्य। **अनुमानित लागत:** 8,28,053.20/- **जमा सुरक्षा (EMD):** 16,600/-**निविदा दाखिल करने की अंतिम तिथि एवं समय:**24.11.2025 को अपराह्न 15:00 बजे तक निर्धारित प्रारूप में। **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:**24.11.2025 को अपराह्न 15:30 बजे।वेबसाइट विवरण:निविदा को वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा और जमा किया जा सकता है। 0741

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

विद्युत आपूर्ति कार्य

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य), मुंबई सेंट्रल, मुंबई **ई-निविदा सूचना क्र. EL-81-2-669-WA-50 दिनांक 30.10.2025 आमंत्रित करते हैं। कार्य एवं स्थान:** चर्चगेट – जी.एल.ओ. भवन एवं स्टेशन भवन में विद्युत आपूर्ति प्रणाली का सुदृढ़ीकरण, जिसमें केबल्स एवं पावर डिस्ट्रीब्यूशन पैनल शामिल हैं। **अनुमानित कार्य लागत:** 5,25,28,008 /- **जमानत रक्कम (EMD):** 4,12,700 /- **प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समय:** 28.11.2025, दोपहर 3:00 बजे तक **निविदा खुलने की तिथि व समय:** 28.11.2025 को दोपहर 3:30 बजे विस्तृत जानकारी हेतु कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। 0737

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

रोहित आर्या केस

आरोपी ने 3 महीने पहले रची थी 'होस्टेज ड्रामा' की साजिश

क्राइम ब्रांच ने किया चौंकाने वाला खुलासा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई के पवई में हुए हाई-प्रोफाइल रोहित आर्या एनकाउंटर मामले की जांच में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। मुंबई क्राइम ब्रांच को मिले सबूत बताते हैं कि आर्या ने बच्चों को बंधक बनाने की योजना तीन महीने पहले ही तैयार कर ली थी। एमबीए डिग्री धारक और लघु फिल्म निर्देशक रह चुके आर्या ने अपनी ही फिल्म स्क्रिप्ट को असली जिंदगी में अंजाम देने की कोशिश की।

बच्चों के अपहरण पर फिल्म बनाने का बहाना

क्राइम ब्रांच अधिकारियों के अनुसार, करीब तीन महीने पहले आर्या ने अपने फिल्मकार दोस्त रोहन अहिरे से संपर्क किया और कहा कि वह बच्चों के अपहरण पर फिल्म बनाना चाहता है। इसके बाद उसने ऑनलाइन विज्ञापन देकर बाल कलाकारों के लिए ऑडिशन की घोषणा की और पवई में स्टूडियो किराए पर लिया। थोड़े समय में 70 से अधिक बच्चे ऑडिशन देने पहुंचे, जिनमें से 17 का चयन किया गया।

अधिकारियों का कहना है कि 17 बच्चों को चुनने के बाद आर्या ने पूरी फिल्मी कहानी को वास्तविक घटना में बदल दिया। बच्चों को विश्वास दिलाया गया कि वे फिल्म की शूटिंग का हिस्सा हैं, इसलिए ज्यादातर बच्चे होस्टेज ड्रामा के दौरान शांत रहे। पुलिस के दाखिल होने और गोलीबारी के बाद केवल चार बच्चे घबराए थे। पंचनामा में पुलिस को कई चौंकाने वाले उपकरण मिले हैं, जिनमें मोशन सेंसर, इलेक्ट्रिक शॉक टेसर, सेल्फ-डिफेंस स्टिक और सेंटर शटर लॉक शामिल हैं।

मध्य रेल

रोड ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य

टेंडर नोटिस संख्या CONS-RSP-LCs 06-2025 dated 30.10.2025

भारत के के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मुख्य इंजीनियर (निर्माण) सड़क सुरक्षा परियोजना, मध्य रेल, जी.एम बिल्डिंग, दूसरा माला, छ.शि.म.ट मुंबई-400001, ई- प्रावण वेबसाइट **"http://www.ireps.gov.in"** पर ई-बोली आमंत्रित करते है। **कार्य का विवरण:** प्रस्तावित 10 (दस) रोड ओवर ब्रिज (ROB) का निर्माण कार्य, जो निम्नलिखित समपार फाटकों (Level Crossings) के स्थान पर किया जाएगा- एल.सी. संख्या 16 किलोमीटर 76/3-4, 17 किलोमीटर 77/13-14, 18 किलोमीटर 79/17-80/1, 19 किलोमीटर 81/6-7, 20 किलोमीटर 84/2-3, 22 किलोमीटर 89/12-13, 23 किलोमीटर 92/5-6, 25 किलोमीटर 95/4-5, 26 किलोमीटर 96/7-8 तथा 27 किलोमीटर 97/13-14 कल्याण लोनावला खंड (KYN-LNL Section), मुंबई मंडल, मध्य रेलवे में। **ओसत लागत (रूपये)** 2358589204.45 **इएमडी (रूपये)** 10000000.00 **समापन अवधि:** 24 months निविदा बंद होने की तारीख तथा समय: **02/12/2025 को 13:00 बजे।** 1. उपरोक्त ई-निविदा सूचना की संपूर्ण जानकारी वेबसाइट **"http://www.ireps.gov.in"** पर उपलब्ध है। 2. ई बोली के प्रारूप के अलावा अन्य प्रारूप में भेजी गई बोलियां उपर्युक्त निविदा के अंतर्गत स्वीकार नहीं की जाएगी। 3. समय-समय पर जारी किए गए निविदा दस्तावेज और शुद्धिपत्र निविदा खोलने से कम से कम 15 दिन पहले वेबसाइट पर उपलब्ध होते हैं और इस वेबसाइट पर देखे जा सकते हैं।

उप मुअ(नि) आरएसपी 610

रेल्वे फाटक को बंद स्थिति में पार करना मना है

अभिरुचि की अभिव्यक्ति (EOI) के लिए नोटिस

पश्चिम रेलवे का मुंबई डिवीज़न "चर्चगेट (CCG) से विरार (VR) तक रोड ओवर ब्रिज (ROBs) और रोड अंडर ब्रिज (RUBs) सहित स्टेशन/प्लेटफ़ॉर्म (आउट ऑफ़ होम OOH) के बाहर मीडिया के ज़रिए नॉन-फ़ेयर रेवेन्यू बढ़ाने के लिए इस्तेमाल न किए गए रिसोर्स की पहचान और मोनेटाइज़ेशन के लिए कंसल्टेंसी सर्विसेज़ लेने में उत्सुक है।" ऐसे फ़र्म/लोगों/सर्विस प्रदाता से निवेदन है कि वे ज्यादा जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस पर पश्चिम रेलवे की ऑफ़िशियल वेबसाइट **wr.indianrailways.gov.in** पर एक्सप्रेशन ऑफ़ इंटरेस्ट (EOI) की विवरण देखें या मुंबई सेंट्रल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक के ऑफ़िस फ़ोन नंबर 022-67644212 पर संपर्क करें। जो फर्म/लोग/सर्विस प्रदाता सही काबिलियत रखते हैं, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे बताए गए प्रारूप में ज़रूरी विवरण के साथ अपना एक्सप्रेशन ऑफ़ इंटरेस्ट, **सीलबंद लिफाफे में 21-11-2025 को 15.00 बजे** तक जमा करें। एक्सप्रेशन ऑफ़ इंटरेस्ट के जवाब में कंसल्टेंसी सर्विस की अनुमानित लागत का ज़िक्र होना चाहिए। अनुमानित लागत में GST शामिल होना चाहिए। एक्सप्रेशन ऑफ़ इंटरेस्ट वाले लिफाफे पर यह लिखा हो सकता है: **"पश्चिम रेलवे के मुंबई डिवीज़न में चर्चगेट (CCG) से विरार (VR) तक रोड ओवर ब्रिज (ROBs) और रोड अंडर ब्रिज (RUBs) सहित स्टेशन/प्लेटफ़ॉर्म (आउट ऑफ़ होम - OOH) के बाहर मीडिया के ज़रिए नॉन-फेयर रेवेन्यू बढ़ाने के लिए इस्तेमाल न किए गए रिसोर्स की पहचान और मोनेटाइज़ेशन के लिए कंसल्टेंसी सर्विसेज़ की नियुक्ति।"** एक्सप्रेशन ऑफ़ इंटरेस्ट बुलाने का नोटिस पश्चिम रेलवे की ऑफ़िशियल वेबसाइट **wr.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है। योग्यता मानदंड को पूरा करने वाले आवेदक को चयन समिति के सामने प्रस्तुति/प्रस्ताव के लिए बुलाया जा सकता है। एक्सप्रेशन ऑफ़ इंटरेस्ट विषय के लिए बोली-पूर्व बैठक 10.11.2025 को 15.30 बजे , वाणिज्य विभाग,मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400 008 में होगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in

0742

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly | हमें फॉलो करें: X.com/WesternRly

संपादकीय

जहरीली हवा में घुटती सांसें

दशकों से मीडिया व पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोग तथा संगठन, जिस प्रदूषण संकट के प्रति चेताते रहे हैं, उसके घातक परिणाम अब साफ सामने नजर आने लगे हैं। विडंबना यह है कि देश की राजधानी व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र ही नहीं, अब देश के तमाम बड़े-छोटे शहरों से भी जानलेवा प्रदूषण की खबरें आ रही हैं। इस घातक व मारक संकट की पुष्टि बहुचर्चित मेडिकल जर्नल लैंसेट की हालिया रिपोर्ट करती है। रिपोर्ट दावा करती है कि देश की हवा में 2010 की तुलना में साल 2022 तक प्रदूषणवाहक पीएम 2.5 कणों की मात्रा में 38 फीसदी तक का बढ़ावा हुआ है। जिसका घातक प्रभाव यह है कि करीब सत्रह लाख लोग असमय काल-कवलित हो चले हैं। इससे होने वाला आर्थिक नुकसान अलग है। यह कहना कठिन है कि अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका के आंकड़े कितने विश्वसनीय हैं। बहुत संभव है कि सरकारें इन आंकड़ों पर सहमति न जताएं, लेकिन दीपावली के बाद दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत देश के विभिन्न शहरों में प्रदूषण जिस घातक स्तर तक पहुंचा है, वह हालात के गंभीर होने की ओर इशारा तो करता ही है। एक अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी ने दिल्ली को दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर का खिताब भी दिया है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अस्पतालों में प्रदूषणजनित रोगों का उपचार कराने वाले लोगों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। जीवन के संघर्ष में रोजी-रोटी की कवायद में जुटे लोगों को यह अहसास भी नहीं होता है कि वे दिन में कितनी जहरीली हवा निगल रहे हैं। हमारे शहर केंद्रित विकास की विसंगितयां भी शहरों में प्रदूषण का दायरा बढ़ा रही हैं। शहरों में उगते कंक्रीट के जंगल न केवल हवा के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित कर रहे हैं बल्कि वाहनों के सैलाब को भी बढ़ावा दे रहे हैं। विडंबना यह है कि इसके बावजूद राजनीतिक दलों व सरकारों में वह इच्छाशक्ति नजर नहीं आती, जो इस संकट के कारगर समाधान की राह दिखाती हो। निश्चित तौर पर प्रदूषण संकट की यह जानलेवा स्थिति हमें शर्मसार करने वाली है। यह हमारी सामूहिक विफलता की तसवीर भी उकेरती है। सर्दियों का मौसम आते ही दिल्ली व निकटवर्ती शहरों में जो प्रदूषण का बड़ा संकट दिखायी देता है, आखिर उसे साल भर सतर्कता के साथ क्यों नहीं देखा जाता। देश में आर्थिक असमानता व गरीबी के चलते लाखों लोग व बच्चे उन अस्वस्थकारी परिस्थितियों में काम करने को बाध्य हैं, जो कालांतर जानलेवा रोगों का सबब बनती हैं। देश में करोड़ों बाल श्रमिक पटाखा, कालीन और अन्य सांस के रोगों का संकट बढ़ाने वाले उद्योगों में काम कर रहे हैं। व्यवस्था का भ्रष्टाचार नियामक एजेंसियों को हिलने तक नहीं देता। दरअसल, यह प्रदूषण मौसमी बदलाव, पटाखों या पराली जलाने से ही नहीं पैदा होता। दरअसल, इसके मूल में शासन-प्रशासन की वह विफलता भी शामिल है, जो वातावरण को जहरीला बनाने वाले उद्योगों तथा निर्माण में उड़ने वाली धूल की सतर्क निगरानी नहीं करती। दरअसल, हमारे जीवन की कृत्रिमता व सुविधाभोगी जीवनशैली ने उन घातक गैसों को बढ़ावा दिया जो ग्लोबल वार्मिंग व प्रदूषण की कारक बनती हैं। इस समस्या का एक पहलू यह भी है कि देश की जनता इस आसन्न संकट के प्रति लगातार उदासीन बनी रहती है। वह चुनावों के दौरान न तो राजनेताओं पर इस संकट के समाधान के लिये दबाव बनाती है और न ही निजी जीवन में ऐसी कोई पहल करती है। इस तरह कहीं न कहीं इस प्रदूषण वृद्धि में हमारी भागीदारी बनी हुई है।

बिहार की रैलियों में मोदी और राहुल का वार-पलटवार

कांतिलाल मांडोत
जलवंत टाऊनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट, वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार-स्तम्भकार

बिहार विधानसभा चुनाव की छपरा और मुज्जफरपुर की रैलियों में मोदी ने कहा कि जंगलराज की पहचान पांच शब्दो से होती है।मोदी और राहुल ने वार पलटवार किया।मोदी ने पलटवार करते हुए कहा कि बिहार में राजद और कांग्रेस के पांच शब्द बिहार की राजनीति में फलफूल रहे है। कट्टा,क्रूरता, कटुता,कुशासन और करप्शन से विपक्ष की पहचान है।मोदी ने कहा कि छठ पूजा का अपमान कभी नही सहेंगे।राहुल ने मुजफ्फरपुर और छपरा की सभा के दौरान अंतराष्ट्रीय मुद्दा उठाते हुए कहा कि मोदी ट्रम्प को जवाब देने से डरते है।डर शब्द का उपयोग, वो भी मोदी के लिए करने के बाद राहुल देश के युवाओ के निशाने पर है।युवा देश की धड़कन है।युवाओ की पहली पसंद नरेंद्र मोदी है।मोदी ने कई बार कहा है कि यह छप्पन की छाती है।उसके बाद राहुल मोदी पर डर और भय की बात करके सुर्खिया बटोर रहे है।मोदी ने अपनी सभा मे कहा कि बिहार के नौजवानों का सपना ही मेरा संकल्प है।राहुल अपना ही अध्याय लिखने के लिए तत्पर है।देश मे कांग्रेस की खोई हुई विरासत वापस पुनः प्राप्त करने का जिम्मा राहुल को सौंप रखा है। वे मिशन पर निकल पड़े है।गांधी खानदान की उपलब्धियों से लैस राहुल मैदान में उतरकर विश्व नेता मोदी की काट कर राजनीति के गलियारों तक पहुंचने की भरपूर कोशिश कर रहे है। मोदी पर निशाना साधने से कांग्रेस दिनोंदिन खिसक रही है। कांग्रेस को चाहिए कि लोकसभा का चुनाव न होकर विधानसभा का चुनाव बिहार में हो रहा है।इसलिए कांग्रेस को वार-पलटवार मुख्यमंत्री पर किया जाना चाहिए। लेकिन कांग्रेस की सुषुप्त अवस्था जनाधार खत्म करने के पदपर अग्रसर है। कांग्रेस आरोप लगाती है। लेकिन तथ्यात्मक पहलू पेश नही करती है।इसलिए वे जूठे और फरेबी आरोप होते है। राहुल के जातिविहीन समाज के मुद्दे उठाना और मोदी पर बेबुनियाद आरोपो की झड़ी लगाना राहुल और कांग्रेस की फितरत बन गई है।कांग्रेस ने कभी यह नही सोचा है कि आखिर नरेंद्र मोदी को पूरी दुनिया सम्मान क्यों दे रही है?अगर कांग्रेस के जेहन में यह सबकुछ आ जाता है तो कांग्रेस की खोई हुई ताकत और विरासत को थोड़ा बहुत खाद पानी मिल सकता है। राहुल को पता लगने से पहले ही वे कुछ कुछ ऐसा बोल देते है,जो चुनाव में मुद्दा बन जाता है।कांग्रेस की विरासत थामे राहुल को अपने मन की कहने के लिए गांधी परिवार के इस वारिस को स्वतः स्फुर्तता की कीमत तो चुकानी ही पड़ेगी। बिहार को शिक्षा का केंद्र मानने वाली कांग्रेस ने सदियों से चली आ रही वैदिक संस्कृति को पाठ्यक्रम से ही गायब कर दिया।कांग्रेस का तुष्टिकरण प्रेम आज जड़ो से अलग करने का कार्य कर रहा है । राहुल ब्रांड बिहार की धूल घुसरित गलियों में कांग्रेस ने उतार दिया है। कांग्रेस बचाने के लिए राहुल और प्रियंका को केंद्र में रखा जा रहा है।कांग्रेस को गांधी परिवार से उम्मीदे बेहिसाब है।

कांग्रेस ने राहुल को आगे करके कांग्रेस की पतवार थामने का जिम्मा सौंपा है। लेकिन सतारूढ़ उनकी राजनैतिक परिपक्वता पर हर समय अंगुली उठाता आ रहा है।और यह इसलिए सही है कि उनकी रुचि भोजन बनाने,नाश्ता तैयार करने,यात्रा निकालने, जूठे आरोप लगाने और तथ्य बिना भाषण देने जैसे कार्य देश की अनास्था को बढ़ावा दे रहा है।राहुल और कांग्रेस के पास विकास के मुद्दे नही है। कांग्रेस कभी यह नही कहती है कि हम सत्ता में आने के बाद जनता के लिए वो कार्य करेंगे। देश की आलोचना करना और संविधान की किताब जगह जगह प्रदर्शित करना कांग्रेस को पीछे धकेल रही है। उनके कथन मुस्लिम अल्पसंख्यक को लुभाने के लिए पर्याप्त है।देश को साथ लेकर चलने की उनकी नियति कभी सुनने को नही मिली है। राहुल बेहतरीन प्रदर्शन कार्ड है और बिहार को देने के लिए यही सब कुछ है। जहाँ कांग्रेस सब कोई ताकत नही रही है।इनके पुरखो ने आजादी के बाद सबसे ज्यादा शासन किया। जबसे ईवीएम चलन में आया है तब से कांग्रेस पराजय हो रही है। इसलिए कांग्रेस को पुरानी पद्धति से चुनाव कराना ठीक लगता है। क्योंकि बुच कैप्चरिंग और फर्जी वोटो की कहानी हम हर चुनाव के बाद अखबारों में पड़ते थे। जब से निर्वाचन आयोग का गठन हुआ है,तब से चुनाव प्रक्रिया में सुधार हुआ है।अब एक वोट भी फर्जी तरीके से नही डाला जा सकता है।और न कोई फेरफार सम्भव है। कांग्रेस एक ऐसी विरासत थी,जिसका लोकतंत्र में कोई सानी नही था। दरअसल,कांग्रेस को गांवो में हाथ वाली सरकार कहते थे। लेकिन जब से जातिवाद का पंजा फैलने लगा है। उसके बाद तुष्टिकरण की राजनीति में बहुत फर्क आ रहा है। जनता सुशासन चाहती है।

राहुल नरम हिन्दुत्व के साथ पींगे बढ़ाने के लिये माहिर है। मोदी ने अपनी सभा मे राहुल ने शिक्षा पर उठाए गए सवाल पर मोदी ने कहा कि बिहार में हमारी एनडीए सरकार का संकल्प है कि बिहार में पढ़ाई,कमाई,दवाई व सिंचाई के मौके उपलबन्ध हो। राजद पर पांच क का निशाना साधा। मोदी ने कहा कि दोनों युवराज जमानत पर और सत्ता के लालच में दोनो साथ साथ है।चीनी लोग मैड इन बिहार की बात करने वाली कांग्रेस इतने वर्षों तक बिहार और देश के लिए विकास क्यो नही किया? राहुल ने नीतीश कुमार सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने इतने साल सत्ता में रहकर क्या किया। निशाना साधने वाले कभी अपनी सरकार पर नजर डालकर देखे कि देश मे 60 साल शासन करने के बाद भी कांग्रेस के तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहनसिंह को विदेश में तवज्जो नही दी जाती थी।

जीवन मंत्र

प्रेम, सम्मान और सफलता के योग्य बनो

समाज में एक आदर्श प्रस्तुत करता है, तो लोग स्वयं उसे सम्मान देते हैं। सच्चा सम्मान बाहरी दिखावे से नहीं, बल्कि ईमानदारी, जिम्मेदारी और विनम्रता से आता है। यह वाक्य हमें याद दिलाता है कि यदि हम अपने कर्मों में निष्ठावान और सच्चे हैं, तो सम्मान अपने आप हमारे पीछे आता है — हमें उसके पीछे भागने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

जीवन के तीन सबसे मूलभूत मूल्यों की ओर इशारा करता है। यह केवल बाहरी उपलब्धियों या प्रशंसा की बात नहीं करता, बल्कि उस आंतरिक परिवर्तन की बात करता है जो व्यक्ति को सच्चे अर्थों में प्रिय, सम्माननीय और सफल बनाता है। किसी भी व्यक्ति के जीवन में प्रेम, सम्मान और सफलता तभी टिकाऊ बनते हैं जब वे उसके कर्म, स्वभाव और चरित्र से उपजते हैं, न कि केवल दिखावे या अवसर से।

सबसे पहले बात करें प्रेम की, तो यह केवल दूसरों से पाने की वस्तु नहीं है, बल्कि देने की प्रवृत्ति है। जो व्यक्ति दूसरों के लिए दयालु, संवेदनशील और सच्चा होता है, वह स्वाभाविक रूप से प्रेम का पात्र बन जाता है। प्रेम तब स्थायी होता है जब वह आत्मा की सच्चाई से उपजे, न कि किसी स्वार्थ से। इसलिए "प्रेम के योग्य बनो" का अर्थ है — अपने भीतर ऐसी भावनाएँ जगाओ जो दूसरों को प्रेरित करें और उन्हें भी प्रेम बाँटने का कारण दें।

दूसरा पहलू है सम्मान का। सम्मान माँगने से नहीं मिलता, बल्कि अर्जित किया जाता है।

जब व्यक्ति अपने कार्यों, विचारों और व्यवहार से समाज में एक आदर्श प्रस्तुत करता है, तो लोग स्वयं उसे सम्मान देते हैं। सच्चा सम्मान बाहरी दिखावे से नहीं, बल्कि ईमानदारी, जिम्मेदारी और विनम्रता से आता है। यह वाक्य हमें याद दिलाता है कि यदि हम अपने कर्मों में निष्ठावान और सच्चे हैं, तो सम्मान अपने आप हमारे पीछे आता है — हमें उसके पीछे भागने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

तीसरा और अंतिम तत्व है सफलता। सफलता केवल ऊँचाई तक पहुँचने का नाम नहीं है, बल्कि अपनी क्षमताओं को पहचानकर उन्हें उपयोगी दिशा में लगाना है। जब हम स्वयं को बेहतर बनाने में मेहनत करते हैं, तो धीरे-धीरे सफलता हमारे जीवन का हिस्सा बन जाती है। इस वाक्य में "कुछ बनकर दिखाओ" का अर्थ यह नहीं कि बस प्रसिद्धि हासिल करो, बल्कि यह कि अपनी पहचान स्वयं बनाओ, अपने प्रयासों से दुनिया को कुछ सार्थक दो।

अंततः, यह वाक्य हमें एक सम्पूर्ण जीवन जीने का संदेश देता है — ऐसा जीवन जिसमें हम प्रेम से भरे हों, अपने कर्मों से सम्मान अर्जित करें, और अपने सपनों को मेहनत से साकार करें। यह कोई साधारण सलाह नहीं, बल्कि एक जीवन-दर्शन है जो हमें बाहरी सफलता से अधिक, आंतरिक संतुलन और आत्म-संतोष की ओर ले जाता है।

शख्सियत | शाहरुख़ ख़ान

एक अभिनेता, एक प्रेरणा

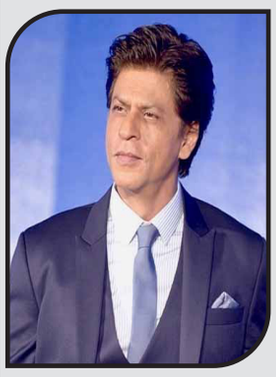

शाहरुख़ ख़ान (जन्म 2 नवम्बर 1965), जिन्हें अक्सर शाह रुख़ ख़ान के रूप में श्रेय दिया जाता है और अनौपचारिक रूप में एस.आर.के. (SRK) नाम से सन्दर्भित किया जाता है, यह एक भारतीय फ़िल्म अभिनेता हैं। अक्सर मीडिया में इन्हें रबॉलीवुड का बादशाहर, रकिंग ख़ानर, ररोमांस किंगर और रकिंग ऑफ़ बॉलीवुडर नामों से पुकारा जाता है। शाहरुख़ ख़ान ने रोमैंटिक नाटकों से लेकर ऐक्शन थ्रिलर जैसी शैलियों में 72 हिन्दी फ़िल्मों में अभिनय किया है।

ख़ान के माता-पिता भारतीय मूल के थे। उनके पिता ताज मोहम्मद ख़ान एक स्वतंत्रता सेनानी थे और उनकी माँ लतीफ़ा फ़ातिमा मेजर जनरल शाहनवाज़ ख़ान की पुत्री थीं। ख़ान के पिता हिंदुस्तान के विभाजन से पहले पेशावर के किस्सा कहानी बाज़ार से दिल्ली आए थे, हालांकि उनकी माँ रावलपिंडी से आयीं थीं। ख़ान की एक बहन भी हैं जिनका नाम शहनाज़ है और जिन्हें प्यार से लालारुख बुलाते हैं।

ख़ान ने अपनी स्कूली पढ़ाई दिल्ली के सेंट कोलम्बा स्कूल से की जहाँ वह क्रीड़ा क्षेत्र, शैक्षिक जीवन और नाट्य कला में निपुण थे। स्कूल की तरफ़ से उन्हें ₹स्वोर्ड ऑफ़ ऑनर₹ से नवाज़ा गया, जो प्रत्येक वर्ष सबसे काबिल और होनहार विद्यार्थी एवं खिलाड़ी को दिया जाता था। इसके उपरांत उन्होंने हंसराज कॉलेज से अर्थशास्त्र की डिग्री एवं जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय से मास कम्युनिकेशन में मास्टर्स डिग्री हासिल की।

अपने माता-पिता के देहांत के उपरांत ख़ान 1991 में दिल्ली से मुम्बई आ गए। 1991 में उनका विवाह गौरी ख़ान के साथ हिंदू रीति-रिवाज़ों से हुआ। उनकी तीन संतान हैं — एक पुत्र आर्यन (जन्म 1997), एक पुत्री सुहाना (जन्म 2000) और एक पुत्र अब्राहम।

शाहरूख़ ख़ान ने अपने फ़िल्मी जीवन की शुरुआत 1988 में लेख टंडन के टेलीविज़न धारावाहिक दिल दरिया से की थी, लेकिन निर्माण में देरी के कारण 1989 का टीवी धारावाहिक फौजी उनका पहला प्रसारित धारावाहिक रहा। वर्ष 1992 में उनकी लगातार चार फ़िल्में रिलीज़ हुईं — दीवाना, दिल आशना है, चमत्कार और राजू बन गया जेंटलमैन।

अक्टूबर 2019 में ख़ान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए लॉन्च किए गए वीडियो में हिस्सा लिया। इस वीडियो की पूर्वावलोकन पीएमओ में हुई, जिसमें ख़ान, आमिर ख़ान, कंगना रनौत, राजकुमार हिरानी, जैकलीन फर्नांडीज, सोनम कपूर, एकता कपूर, वरुण शर्मा, जैकी श्रॉफ, इम्तियाज अली, सोनू निगम, कपिल शर्मा और कई अन्य प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया। ख़ान की विशिष्ट आवाज़ और आदतों ने कई अनुकरणकर्ताओं और आवाज़ अभिनेताओं को प्रेरित किया है। हिंदी-डब्ड कार्टून श्रृंखला ऑगी एंड द कॉक्रोचेस के संस्करण में सौरव चक्रवर्ती ने चरित्र ऑगी के लिए ख़ान की आवाज़ का अनुकरण किया।

अप्रैल 2020 में ख़ान ने भारत सरकार और महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और दिल्ली की राज्य सरकारों को COVID-19 महामारी से निपटने और लॉकडाउन से प्रभावित हज़ारों ग़रीब लोगों और दैनिक वेतन श्रमिकों के लिए राहत उपायों की मदद करने के लिए कई पहलों की घोषणा की।

जीवन ऊर्जा

थॉमस मैलन : जन्म- 2 नवंबर 1951 | जन्म

खुशी या दुख कुछ नहीं, बस भावनाओं की तीव्रता होती है

थॉमस मैलन (जन्म 2 नवंबर, 1951) एक अमेरिकी उपन्यासकार, निबंधकार और आलोचक हैं। उनके उपन्यास ऐतिहासिक विवरण और संदर्भ पर ध्यान देने और लेखक की तीक्ष्ण बुद्धि तथा बड़ी ऐतिहासिक घटनाओं के रदर्शकोंर में रुचि के लिए प्रसिद्ध हैं। वह दस काल्पनिक पुस्तकों के लेखक हैं, जिनमें हेनरी एंड क्लारा, टू मून्स, डेवी डिफेट्स ट्रूमैन, ऑरोरा 7, बैंडबॉक्स, फेलो ट्रैवलर्स (इसी नाम से एक लघु श्रृंखला में रूपांतरित), वाटरगेट, फिनाले, लैंडफॉल और सबसे हाल ही में अप विद द सन शामिल हैं।

इसका अर्थ यह है कि हम जिन भावनाओं को "खुशी" या "दुख" का नाम देते हैं, वे वास्तव में अलग-अलग घटनाएँ नहीं हैं, बल्कि एक ही ऊर्जा या अनुभव की अलग-अलग तीव्र अवस्थाएँ हैं। जीवन में जो कुछ भी हम महसूस करते हैं — चाहे वह सुख हो या पीड़ा — वह हमारी संवेदनशीलता, परिस्थितियों और मानसिक स्थिति की तीव्रता पर निर्भर करता है। हम अक्सर मानते हैं कि खुशी और दुख दो बिल्कुल विपरीत अवस्थाएँ हैं। लेकिन अगर हम गहराई से सोचें, तो दोनों की जड़ एक ही है — "महसूस करने की क्षमता"। जब यह क्षमता गहरी होती है, तो हर अनुभव तीव्र महसूस होता है। जब हम किसी से प्यार करते हैं, तो उसी प्यार की गहराई कभी हमें बेहद खुश करती है, और कभी वही प्यार हमें गहरे दुख में डाल देता है। इस दृष्टि से देखा जाए तो खुशी और दुख दो छोर नहीं, बल्कि एक ही धागे के दो रंग हैं। यह भी संभव है कि जीवन में जो "दुख" हम मानते हैं, वह वास्तव में हमारी भावनाओं का उच्चतम स्तर हो — क्योंकि दुख भी तभी गहरा होता है जब हम किसी चीज़ या व्यक्ति से बहुत जुड़ाव महसूस करते हैं। इसी तरह, खुशी भी तभी सच्ची होती है जब वह भीतर से तीव्र और सजीव महसूस हो। इसलिए, यह कहना कि "बस तीव्रता है, और बाकी सब भ्रम" — हमारे अनुभवों को एक नई रोशनी में देखने जैसा है। अगर हम इस सोच को अपनाएँ, तो जीवन के उतार-चढ़ाव को लेकर हमारा दृष्टिकोण बदल सकता है। हम दुख के समय भी यह समझ सकते हैं कि यह सिर्फ़ एक तीव्र अनुभव है, जो हमें भीतर से और गहराई से जीना सिखा रहा है। और जब खुशी आए, तो हम उसे भी एक क्षणिक, परंतु तीव्र अनुभव के रूप में स्वीकार करेंगे — न उससे चिपकेंगे, न उससे भागेंगे।

आख़िर में, यह विचार हमें सिखाता है कि जीवन को केवल "अच्छा" या "बुरा" कहकर सीमित करना सही नहीं है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

मनुष्य की पहचान धन से नहीं, बल्कि उसके संस्कार और गुणों से होती है

केवल एक नैतिक शिक्षा नहीं, बल्कि मानवता की बुनियादी समझ है। जब हम जीवन की गहराई में उतरते हैं, तो समझ आता है कि धन से हम भौतिक चीज़ें खरीद सकते हैं, लेकिन आत्मिक शांति, प्रेम और विश्वास जैसी चीज़ें केवल हमारे गुणों से ही अर्जित की जा सकती हैं। समाज में कई ऐसे लोग हुए हैं जिनके पास अपार धन था, लेकिन वे लोगों के दिलों में जगह नहीं बना पाए। वहीं दूसरी ओर, कई साधारण लोग अपनी ईमानदारी, सेवा भावना और विनम्र स्वभाव के कारण अमर हो गए। यही अंतर धन और गुण के मूल्य में स्पष्ट दिखाई देता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो। नं। 9425980556

धन की अस्थिरता जीवन का सबसे बड़ा सत्य है। आज आपके पास बहुत कुछ हो सकता है, लेकिन परिस्थितियों के बदलते ही सब कुछ छिन सकता है। जबकि गुण, जैसे — करुणा, सत्य, धैर्य और विनम्रता — ऐसी संपत्ति हैं जिन्हें कोई छीन नहीं सकता। ये गुण व्यक्ति के भीतर की ऐसी शक्ति हैं जो कठिन से कठिन समय में भी उसका मार्गदर्शन करती हैं। जब जीवन में संकट आता है, तो धन शायद क्षणिक सहारा बन सकता है, परंतु सच्चा सहारा केवल अच्छे गुण और मजबूत चरित्र ही बनते हैं।

गुणों का प्रकाश व्यक्ति के व्यक्तित्व को उस स्तर तक पहुँचा देता है जहाँ वह दूसरों के लिए एक प्रेरणा बन जाता है। धनवान व्यक्ति अपनी संपत्ति से लोगों को प्रभावित कर सकता है, लेकिन गुणवान व्यक्ति लोगों के हृदय को छूता है। एक ईमानदार व्यक्ति का आदर इसलिए किया जाता है क्योंकि वह दूसरों के लिए भरोसे का प्रतीक होता है। उसकी उपस्थिति में लोग सुरक्षित महसूस करते हैं। वहीं, केवल धन पर आधारित व्यक्ति के आस-पास चमक तो होती है, पर विश्वास नहीं। समाज के विकास की नींव भी गुणों पर टिकी होती है। एक ऐसा समाज जहाँ लोग धन के पीछे भागते हैं, वहाँ

प्रतिस्पर्धा, ईर्ष्या और असमानता बढ़ती जाती है। लेकिन जहाँ लोग अपने कर्मों में नैतिकता और संवेदनशीलता रखते हैं, वहाँ समानता, न्याय और भाईचारा पनपता है। समाज की असली प्रगति तभी होती है जब उसके नागरिक धन से नहीं, बल्कि अपने आदर्शों और गुणों से समृद्ध होते हैं। यही कारण है कि इतिहास में ऐसे लोगों का नाम अमर हुआ जिन्होंने अपने जीवन में सच्चाई, प्रेम और सेवा को प्राथमिकता दी, भले ही वे आर्थिक रूप से बहुत संपन्न न रहे हों।

आध्यात्मिक दृष्टि से भी, धन क्षणिक है, जबकि गुण आत्मा की स्थायी संपत्ति हैं। धन का संबंध शरीर और बाहरी सुखों से है, लेकिन गुण आत्मा के विकास से जुड़े हैं। जब व्यक्ति अपने भीतर की अच्छाई को पहचानता है और उसे दुनिया के भले के लिए उपयोग करता है, तभी वह सच्चे अर्थों में "धनवान" बनता है। महात्मा गांधी, मदर टेरेसा, बुद्ध — ये सभी उदाहरण हैं कि कैसे बिना अपार धन के भी इंसान दुनिया को बदल सकता है। अंततः, यह विचार हमें आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करता है। हमें यह तय करना चाहिए कि हम जीवन में किस संपत्ति को अधिक मूल्य देना चाहते हैं — क्षणभंगुर धन को या स्थायी गुणों को। जो व्यक्ति अपने भीतर के गुणों को संवारता है, वह न केवल खुद का जीवन सुंदर बनाता है, बल्कि दूसरों के जीवन में भी उजाला फैलाता है। धन का प्रभाव सीमित है, परंतु गुणों की गूंज पीढ़ियों तक सुनाई देती है। इसलिए, सच्चा धन वही है जो मनुष्य के भीतर है — उसके संस्कार, उसकी करुणा और उसका चरित्र।

अपने विचार

वर्ष 2000 में मैं पहली बार काशी आया था। तब परिवारजन के साथ बाबा विश्वनाथ, मां विशालाक्षी सहित कई अन्य मंदिरों में दर्शन-पूजन किया। गंगास्नान भी किया। तब मैं मांसाहारी था। लेकिन यहां से जाने के बाद मेरे जीवन में इतना परिवर्तन आया कि मैंने शाकाहार अपना लिया। यह परिवर्तन स्वाभाविक नहीं, बल्कि विशेष कृपा की वजह से सम्भव था।

-सीपी.राधाकृष्णन, उप राष्ट्रपति,भारत

ओबीसी समाज की विभिन्न जातियों के टूटे और बिखरे होने और इनमें से कुछ अलग से पार्टी और संगठन आदि बना लेने के कारण इनकी एकता और एकजुटता प्रभावित है और इसका लाभ फिर जातिवादी पार्टियां खासकर चुनाव में अक्सर उठाती रही हैं।

-मायावती, बसपा प्रमुख

हम आरएसएस पर खरगे की टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हैं। भाजपा सांसद ने कहा, आज खरगे ने आरएसएस के बारे में जिस भाषा का इस्तेमाल किया, वह पापुलर फ्रंट आफ इंडिया, मुस्लिम लीग और जमीयत उलमा-ए-हिंद की भाषा है।

-संबित पात्रा,भाजपा प्रवक्ता

गौरव गोगोई पाकिस्तानी एजेंट हैं। मेरे पास इसके सबूत हैं। उन्हें हमारे देश में विदेशी ताकतों ने प्लांट किया है। मैं तथ्यों के साथ यह बात कह रहा हूं। मैं एक दिन इसे साबित कर दूंगा। उनकेअंदर मानहानिका मुकदमा दायर करने की हिम्मत नहीं है।

-हिमंता बिस्वा सरमा,सीएम,आसाम

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिदार).

ब्रीफ न्यूज़

सहायक प्रशासन अधिकारी कल्पना तोरावणे हुई सेवानिवृत्त

ठाणे। जिला परिषद ठाणे के सामान्य प्रशासन विभाग की सहायक प्रशासन अधिकारी कल्पना तोरावणे को उनके कार्यकाल पूर्ण होने पर 31 अक्टूबर, 2025 को जिला परिषद मुख्यालय में सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें प्रशासनिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य और समर्पण के लिए प्रदान किया गया। समारोह में मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानाडे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजिंक्य पवार और उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सामान्य प्रशासन) अविनाश फड़तारे मौजूद रहे। सभी अधिकारियों और सहकर्मियों ने तोरावणे को शुभकामनाएँ दीं और उनके योगदान की सराहना की। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजिंक्य पवार ने अपने संबोधन में तोरावणे के अनुशासित, परिश्रमी और सेवा भावी कार्यशैली की प्रशंसा की। वहीं अविनाश फड़तारे ने उनके सकारात्मक दृष्टिकोण और प्रशासनिक दक्षता को विशेष रूप से सराहा। कल्पना तोरावणे 1998 से जिला परिषद सेवाओं से जुड़ी हैं और विभिन्न जिम्मेदारियों को सफलतापूर्वक निभा चुकी हैं। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कानून की डिग्री और पत्रकारिता में डिप्लोमा प्राप्त किया, जो निरंतर सीखने और आत्मविकास का उदाहरण है। सेवा के दौरान उन्हें जिला परिषद कर्मचारी ऑफ द ईयर पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। उनका कार्य अनुशासन, दृढ़ता और समर्पण का आदर्श रहा है, जिसने संगठन की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

मुंबई सेंट्रल पर सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

मुंबई। सतर्कता जागरूकता सप्ताह - 2025 समारोह के एक भाग के रूप में सार्वजनिक सेवाओं में ईमानदारी और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के विरुद्ध सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैलाने तथा नागरिकों और रेलवे कर्मचारियों के बीच ईमानदारी और नैतिक आचरण के महत्व पर बल देने के लिए स्टेशन परिसर में एक नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ उप महाप्रबंधक कुलदीप कुमार जैन, मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक पंकज सिंह सहित वरिष्ठ रेल अधिकारी, कर्मचारी और यात्री उपस्थित थे। भ्रष्टाचार मुक्त संगठन के निर्माण के सामूहिक संकल्प के प्रतीक के रूप में एक वॉकथॉन का भी आयोजन किया गया। इसके बाद कुलदीप कुमार जैन ने अधिकारियों के साथ एक संवादात्मक चर्चा की, जिसमें सतर्कता प्रथाओं, रोकथाम के उपायों और कार्य संस्कृति में पारदर्शिता को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया। कार्यक्रम का समापन प्रशासन और कर्मचारियों द्वारा एकता दिवस शपथ लेने के साथ हुआ, जिसमें एकता, अखंडता और राष्ट्र की प्रगति के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई।

महावितरण में विद्युत सहायक पद के लिए प्रतीक्षा सूची जारी

नागपुर। महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (महावितरण) ने विद्युत सहायक पद के लिए 50 प्रतिशत सीमा के भीतर कुल 1847 उम्मीदवारों की प्रतीक्षा सूची जारी की है। यह सूची कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट www.mahadiscom.in पर शुक्रवार, 31 अक्टूबर को प्रकाशित की गई। चयनित उम्मीदवारों के मूल दस्तावेज़ और प्रमाणपत्रों की जांच 6 और 7 नवंबर को उनके संबंधित परिमंडल कार्यालयों में की जाएगी। महावितरण ने विज्ञापन क्रमांक 06/2023 के तहत कुल 5381 विद्युत सहायक पदों के लिए 20 से 22 मई के बीच ऑनलाइन योग्यता परीक्षा आयोजित की थी। इसके बाद पात्र उम्मीदवारों की चयन सूची और परिमंडलवार वर्गीकरण जारी किया गया था।

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने श्री विट्ठल की भव्य प्रतिमा का किया अनावरण

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर घाट, उपवन में श्री विट्ठल की भव्य प्रतिमा का अनावरण उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सावला विट्ठल की इस भव्य प्रतिमा ने इस क्षेत्र को पवित्र बना दिया है और ठाणे ने पंढरपुर का रूप धारण कर लिया है। यह विट्ठल की अब तक की सबसे बड़ी प्रतिमा है, जिसे उपवन तालाब परिसर में स्थापित किया गया है। कार्यक्रम में संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा, "मैंने महाराष्ट्र में कई उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम किए हैं। ढाई साल मुख्यमंत्री रहते कई जनकल्याणकारी परियोजनाएँ शुरू कीं, लेकिन आज का समारोह अब तक सभी कार्यक्रमों में सबसे अनूठा है।"

वारकरी संप्रदाय की सराहना

शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र छत्रपति शिवाजी महाराज, वीरों और संतों की भूमि है। उन्होंने बताया कि वारकरी संप्रदाय राज्य की एक बड़ी ताकत है। "मुख्यमंत्री रहते हुए हमने वारकरी दिंड्याओं को अनुदान देना शुरू किया और यह पहली सरकार थी जिसने यह कदम उठाया। वारकरियों का बीमा कराया गया और दिंड्याओं को टोल-फ्री किया गया," उन्होंने कहा। डीसीएम शिंदे ने कहा कि गरीबों के देवता विट्ठल की प्रतिमा स्थापित करने का प्रस्ताव मिला था और तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने इसकी मंजूरी दी थी। इसी के चलते आज का कार्यक्रम संभव हो पाया।

चार भव्य मूर्तियाँ होंगी स्थापित

इस अवसर पर परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया कि ऐसी कुल चार भव्य मूर्तियाँ बनाई जा रही हैं। इनमें से एक राम मंदिर तालाब पर स्थापित होगी और बाकी दो मीरा-भायंदर में लगाई जाएँगी।

दिग्गजों की मौजूदगी में कार्यक्रम सम्पन्न

कार्यक्रम में परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, सांसद नरेश म्हस्के, पूर्व विधायक रवींद्र फाटक, पूर्व महापौर एच.एस. पाटिल, निवृत्ति महाराज देशमुख (इंदोरीकर), पूर्व नगरसेविका परिषा सरनाईक, विहंग सरनाईक, पूर्वेश सरनाईक, मनपा के अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे, उपनगर अभियंता सुधीर गायकवाड़ और कार्यकारी अभियंता संजय कदम सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में 'रन फॉर यूनिटी' का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम धसाई नाका से म्हासा रोड तक बड़े उत्साह और जोश के साथ संपन्न हुआ। आयोजन का उद्देश्य देश में एकता, अखंडता और भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना था।

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्यक्रम

इस कार्यक्रम का आयोजन अपर पुलिस महानिदेशक (यातायात) प्रवीण सालुंखे के मार्गदर्शन में हुआ। पुलिस अधीक्षक (हाईवे ठाणे क्षेत्र) रूपाली अंबुरे, पुलिस अधीक्षक (ठाणे ग्रामीण) डी.एस. स्वामी, उप पुलिस अधीक्षक विजय गायकवाड़, उपविभागीय पुलिस अधिकारी अनिल लाड एवं पुलिस निरीक्षक संतोष खानविलकर की उपस्थिति और नेतृत्व में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। राजू वानखेड़े, प्रभारी अधिकारी (पुलिस सहायता केंद्र, मालशेज) के विशेष सहयोग से कार्यक्रम को सुचारु रूप से आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुलिस कॉन्स्टेबल संजय घुडे ने सरदार पटेल के जीवन, राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान और राष्ट्रीय एकता के महत्व पर अपने विचार रखे। साथ ही उन्होंने एकता पर आधारित गीत भी प्रस्तुत किया, जिसने कार्यक्रम में जोश भर दिया।

BMC कर्मचारियों की "पुरानी पेंशन योजना कृती समिति" का गठन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के कामगारों, कर्मचारियों और अधिकारियों की सर्वसम्मति से "पुरानी पेंशन योजना कृती समिति" का गठन किया गया। बैठक में सर्वानुमति से प्रस्ताव पारित हुआ और पदाधिकारियों का चयन उपस्थित सदस्यों की सहमति से किया गया। समिति में वैशाली गिल को अध्यक्ष, सुभाष मारुती अंकुश को सरचिटनीस (महासचिव), एकनाथ सोनवणे को कार्याध्यक्ष, सुबोध तांबे को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। शिवदास गवारी, संतोष राणे, संदीप इंगले और जगदीश चव्हाण को चिटनीस के रूप में तथा जयवंत जाधव को प्रमुख सलाहकार की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यक्रम का सूत्र संचालन सुभाष मारुती अंकुश ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन सुबोध तांबे ने किया। सभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष वैशाली गिल ने भविष्य

में पुरानी पेंशन योजना के पुनर्स्थापन और उससे जुड़ी नीतियों व रणनीतियों पर अपने विचार व्यक्त किए। जयवंत जाधव और एकनाथ सोनवणे ने पुरानी पेंशन योजना के महत्व, उसके सामाजिक व आर्थिक लाभ और कर्मचारियों के सुरक्षित भविष्य के लिए उसकी आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में उपस्थित सभी कामगारों, कर्मचारियों और अधिकारियों ने समिति को पूर्ण समर्थन देने का संकल्प व्यक्त किया। समिति का उद्देश्य आने वाले समय में पुरानी पेंशन योजना को लागू करवाने के लिए संगठित आंदोलन, जनजागरण और शासन स्तर पर प्रभावी पहल करना रहेगा।

सोलापुर गुड्स शेड में स्वास्थ्य शिविर संपन्न

▸▸ माथाडी मजदूरों और चालकों के लिए दो दिवसीय मेडिकल कैंप

डीबीडी संवाददाता | सोलापुर

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने कर्मचारियों और समुदाय के स्वास्थ्य कल्याण को प्राथमिकता देते हुए 29 और 30 अक्टूबर 2025 को सोलापुर गुड्स शेड, रामवाडी परिसर में दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया। इस शिविर का उद्देश्य माल ढुलाई में लगे माथाडी मजदूरों और ट्रक/टेम्पो चालकों के स्वास्थ्य की जांच और बीमारियों की रोकथाम सुनिश्चित करना था।

नगरपालिका स्वास्थ्य टीम की सक्रिय भागीदारी

सोलापुर महानगरपालिका के क्षयरोग विभाग की मेडिकल टीम ने शिविर में सक्रिय भूमिका निभाई। चिकित्सा अधिकारी एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने मिलकर श्रमिकों के स्वास्थ्य परीक्षण और परामर्श प्रदान किया। उनकी विशेषज्ञता और सहयोग से शिविर का संचालन सफलतापूर्वक किया गया।

विभिन्न स्वास्थ्य परीक्षण किए गए

शिविर के दौरान कुल 94 एक्स-रे, 81 रक्त परीक्षण, 57 साइ टीबी परीक्षण और 18 थूक परीक्षण किए गए। इन परीक्षणों के माध्यम से श्रमिकों के स्वास्थ्य की संपूर्ण जांच कर संभावित बीमारियों की प्रारंभिक पहचान पर जोर दिया गया।

जनकल्याण और कर्मचारी स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता

यह पहल सोलापुर मंडल की कर्मचारियों और समाज के स्वास्थ्य के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ऐसे स्वास्थ्य शिविर श्रमिकों की सुरक्षा, जागरूकता और स्वस्थ कार्य वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजन

यह स्वास्थ्य शिविर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संचालित "टीबी मुक्त भारत अभियान" का हिस्सा रहा। इसका उद्देश्य उच्च जोखिम वाले श्रमिक वर्ग में क्षयरोग और अन्य गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान और रोकथाम को बढ़ावा देना है। शिविर का आयोजन सोलापुर महानगरपालिका अस्पताल के सहयोग से किया गया, जबकि मुख्य माल पर्यवेक्षक (सीजीएस) सोलापुर और उनकी टीम ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए कार्यक्रम का सुचारु समन्वय सुनिश्चित किया। इस संयुक्त प्रयास ने आयोजन को प्रभावी और सफल बनाया।

मध्य रेल का स्वच्छता पखवाड़ा अभियान सफलतापूर्वक संपन्न

▸▸ 01 से 15 अक्टूबर तक चलाया गया स्वच्छता पखवाड़ा 2025

▸▸ रेल परिसरों में की गई व्यापक सफाई

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मध्य रेल ने विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत 1 से 15 अक्टूबर तक 'स्वच्छता पखवाड़ा-2025' मनाया। रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों, कॉलोनियों, अस्पतालों, वर्कशॉप और कार्यालयों में सफाई और स्वच्छता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से व्यापक अभियान चलाए गए। यह पहल भारतीय रेलवे द्वारा पूरे देश में चल रहे व्यापक स्वच्छता अभियान का हिस्सा रही।

स्वच्छ नीर: पानी की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी

स्वच्छ नीर अभियान में सभी मंडलों में पेयजल स्टैंड, फिल्टर हाउस और पंप हाउसों की सफाई और जल गुणवत्ता की जांच की गई। क्षतिग्रस्त पाइपों की मरम्मत, टैंक सफाई और जल ठहराव खत्म करने पर जोर दिया गया। जल का बुद्धिमानी से उपयोग करें' जैसे संदेश स्टेशनों पर लगाए गए। अभियान 341 जगह चला और 2784 जल बूथ साफ किए गए।

स्वच्छ आहार: स्टॉलों का निरीक्षण, प्लास्टिक पर रोक

स्वच्छ आहार अभियान के दौरान स्टेशनों और आसपास के फूड स्टॉल की गहन सफाई की गई और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने निरीक्षण किया। खाद्य पैकेटों की एक्सपायरी चेक की गई तथा विक्रेताओं की व्यक्तिगत स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया गया। सिंगल-यूज़ प्लास्टिक से बचने की सलाह दी गई। पेंट्री कारों की भी आकस्मिक जांच हुई और कर्मचारियों के स्वास्थ्य प्रमाणों की जांच की गई। मध्य रेल ने 229 स्थानों पर अभियान चलाया, 317 फूड स्टॉलों का निरीक्षण किया और 400 से ज्यादा डस्टबिन लगाए।

स्वच्छ संवाद: प्रतियोगिताएं और जागरूकता कार्यक्रम

स्वच्छ संवाद के तहत स्टेशनों और इकाइयों की रैंकिंग प्रणाली लागू की गई और सफाई प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। विजेताओं को सम्मानित किया गया। यात्रियों के साथ संवाद, नुक्कड़ नाटक, 240 वेबिनार और SMS फीडबैक के माध्यम से जागरूकता बढ़ाई गई। 35 से अधिक नुक्कड़ नाटक और 7,287 से ज्यादा लोगों की वेबिनार में भागीदारी दर्ज हुई। विशेष अभियान 5.0 में मध्य रेल ने ई-कचरे के व्यवस्थित निपटान, डिजिटलीकरण, बेहतर स्थान प्रबंधन और कार्यस्थल सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया। जनता की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए अनावश्यक सामग्री के निपटान से राजस्व बढ़ाने की दिशा में भी कदम उठाए गए। इस अभियान ने स्वच्छ रेलवे और हरित भविष्य के प्रति मध्य रेल की

स्वच्छ प्रसाधन एवं पर्यावरण: हरियाली और बेहतर सुविधाओं पर जोर

स्टेशनों, कॉलोनियों और कार्यालयों में शौचालयों की मशीनों से डीप सफाई हुई। खराब फिटिंग्स सुधारी गईं और रोशनी-वेंटिलेशन बेहतर किए गए। पर्यावरण अभियान के तहत वृक्षारोपण, कचरे का पृथक्करण, प्लास्टिक हटाने और ग्रीन प्रथाओं को प्रोत्साहित किया गया। 17,388 लोगों ने श्रमदान किया और 1,040 पौधे लगाए गए।

मुंबई मेट्रो में दिव्यांगों को किराए में रियायत

▸▸ मेट्रो लाइन-3 पर 25% छूट का निर्णय, अब 50% छूट की मांग तेज

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई मेट्रो प्रशासन ने दिव्यांग यात्रियों के लिए बड़ा कदम उठाते हुए मेट्रो लाइन-3 पर मासिक ट्रिप पास पर 25% छूट देने का फैसला किया है। यह लाभ टिकटिंग सिस्टम अपडेट होने के करीब 10 दिनों बाद लागू होगा। यह कदम सार्वजनिक परिवहन को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पत्रकार दीपक कैतके की लगातार मांग का असर

दिव्यांग यात्रियों की रियायत के लिए वरिष्ठ पत्रकार एवं आरोग्यदूत दीपक कैतके लंबे समय से आवाज उठा रहे थे। उनकी आधिकारिक मांगों और लगातार प्रयासों के बाद मेट्रो प्रशासन ने यह निर्णय लिया। प्रशासन के इस फैसले का स्वागत किया गया है, लेकिन कैतके ने छूट को और बढ़ाने की मांग रखी है।

दिव्यांगता के प्रतिशत के आधार पर छूट की मांग

कैतके का कहना है कि दिव्यांगता के अलग-अलग स्तर होते हैं, इसलिए रियायत भी प्रतिशत के आधार पर तय की जानी चाहिए। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा कि फिलहाल मेट्रो लाइन-3 पूरी तरह सुलभ नहीं है, ऐसे में दिव्यांग यात्रियों को सहायक साथ रखना पड़ता है। इसलिए कम से कम 50% छूट देने पर विचार जरूरी है। फिलहाल मेट्रो लाइन-3 दिव्यांग यात्रियों के लिए पूरी तरह अनुकूल नहीं है। लिफ्ट, रैम्प और गाइडिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की सीमित उपलब्धता के कारण दिव्यांगों को स्वतंत्र यात्रा में मुश्किलें आती हैं।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है। थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृष व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है। परिवार में मनमुटाव हो सकता है। सुख के साधनों पर व्यय सोच-समझकर करें। निवेश करने से बचें। व्यापार ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

मिथुन परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। कार्य की गति धीमी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। निवेश करने का समय नहीं है।

कर्क नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार में वृद्धि से संतुष्टि रहेगी। नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। उत्साह से काम कर पाएंगे। किसी की बातों में न आएं।

सिंह कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें। यात्रा लाभदायक रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी।

कन्या अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

तुला तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं। परिवार व स्नेहीजनों के साथ विवाद हो सकता है। शत्रुता में वृद्धि होगी। अज्ञात भय रहेगा।

वृश्चिक कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। पारिवारिक प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यय होगा।

धनु किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। भागदौड़ रहेगी। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। जोखिम न उठाएं। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा।

मकर किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। परिवार व मित्रों के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। शारीरिक कष्ट संभव है, सावधान रहें।

कुंभ यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। काफी समय से अटके काम पूरे होने के योग हैं। भरपूर प्रयास करें। आय में मनोनुकूल वृद्धि होगी।

मीन दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा। संतान पक्ष से आरोग्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। हानि संभव है। भाइयों का साथ मिलेगा।

द्वितीय भाव में चंद्रमा का प्रभाव : वाणी, धन और कुटुंब का चंद्रमयी रहस्य

वैदिक ज्योतिष में द्वितीय भाव वह स्थान है जहाँ से मनुष्य के जीवन का भौतिक आधार आकार लेता है। यह भाव न केवल धन का प्रतीक है, बल्कि वाणी की मधुरता, कुटुंब का स्नेह, मुख की सुंदरता, खानपान की रुचि और आत्मसम्मान का भी प्रतिनिधित्व करता है। जब चंद्रमा जैसा सौम्य और मानसिक ग्रह इस भाव में विराजमान होता है, तो व्यक्ति का जीवन भावनाओं, पारिवारिक जुड़ाव और आर्थिक स्थिरता से परिपूर्ण हो जाता है। लेकिन जैसा कि ग्रह कभी एकाकी नहीं रहते, उसी प्रकार चंद्रमा का फल भी उसके बल, दृष्टि, और प्रभावी ग्रहों के आधार पर भिन्न हो जाता है। चंद्रमा एक जल तत्व ग्रह है, यह मानसिकता, मातृत्व, भावनाओं और मनोबल का प्रतिनिधित्व करता है। जब यह द्वितीय भाव में आता है तो व्यक्ति की वाणी में नम्रता, कोमलता और भावनात्मकता

प्रियंका जैन
9769994439

झलकती है। ऐसे व्यक्ति की बोली में सौम्यता होती है, वे अपने शब्दों से दूसरों का मन जीत लेते हैं। धन की दृष्टि से चंद्रमा यहाँ शुभ होता है, क्योंकि यह व्यक्ति को संग्रह करने, सहेजने और सुरक्षित रखने की मानसिक प्रवृत्ति देता है। लेकिन यदि यह चंद्रमा राहु, केतु या शनि से पीड़ित हो जाए तो इसके शुभ फल नष्ट होने लगते हैं। वाणी कटु या असंतुलित हो सकती है, कभी-कभी व्यक्ति अनजाने में ऐसे शब्द बोल देता है जिससे सामने वाला आहत हो जाए। मेष लग्न में द्वितीय भाव में चंद्रमा धन और कुटुंब की दृष्टि से श्रेष्ठ फल देता है। व्यक्ति को माता और भूमि से संबंधित लाभ प्राप्त होता है। चंद्रमा यहाँ धन संग्रह का कारक बनता है, लेकिन उसकी दृष्टि अष्टम भाव पर पड़ने से कुछ स्वास्थ्य संबंधी या आयु में उतार-चढ़ाव की स्थिति रह सकती है। फिर भी यह स्थिति सामान्य रूप से सुखद मानी जाती है। वृष लग्न में द्वितीय भाव में चंद्रमा परिश्रम के माध्यम से धन कमाने की प्रवृत्ति देता है। व्यक्ति मेहनती होता है और अपने प्रयासों से जीवन में समृद्धि अर्जित करता है। कुटुंब का सुख तो प्राप्त होता है, परंतु भाइयों और शारीरिक पुरुषार्थ में थोड़ी कमी रह सकती है। यह चंद्रमा अष्टम भाव को देखता है जिससे दीर्घायु का योग बनता है। मिथुन लग्न में चंद्रमा स्वराशि में आ जाता है और यह स्थिति अत्यंत मंगलकारी होती है। ऐसे जातक को कभी धन की कमी नहीं होती। उसकी वाणी मधुर और आकर्षक होती है। वह पारिवारिक प्रेम का केन्द्र होता है और कुटुंब में उसका आदर बढ़ता है। यह स्थिति स्थिर धन और प्रतिष्ठा का संकेत देती है। कर्क लग्न में द्वितीय भाव में चंद्रमा व्यक्ति को सौंदर्य, स्वास्थ्य और मान-सम्मान प्रदान करता है। ऐसा व्यक्ति सुरुचिपूर्ण जीवन जीता है, उसके व्यवहार में शालीनता होती है और उसकी वाणी में आकर्षण रहता है। अष्टम भाव की दृष्टि जीवन में कुछ उतार-चढ़ाव ला सकती है, परंतु कुल मिलाकर यह योग दीर्घ आयु और सम्मान का द्योतक है। सिंह लग्न में चंद्रमा द्वितीय भाव में आने पर खर्च बढ़ाता है। व्यक्ति को धन की हानि या कुटुंब से असंतोष हो सकता है, लेकिन विलासिता की प्रवृत्ति भी रहती है। वह अपने ठाठ-बाठ से जीवन जीता है और परदेश या बाहरी स्थानों से लाभ प्राप्त करता है। यह स्थिति व्यक्ति को लोकप्रसिद्ध बना सकती है परंतु आंतरिक रूप से उसे असंतोष का अनुभव होता है।

न्यूज़ ब्रीफ

केरल से कश्मीर तक पलायन को मजबूर बिहारी : प्रियंका वाड्रा

पटना/बेगूसराय। बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान के बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को बेगूसराय में जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य सरकार पर बेरोजगारी और पलायन के मुद्दे पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि केरल से लेकर कश्मीर तक, हर जगह बिहार के लोग काम की तलाश में भटक रहे हैं, क्योंकि अपने ही प्रदेश में उन्हें अवसर नहीं मिल रहा। प्रियंका गांधी ने कहा कि राज्य की स्थिति यह है कि गांवों में खेती अब घाटे का सौदा बन चुकी है, जबकि उद्योग सिर्फ सत्ता से जुड़े चंद दोस्तों के हाथों में सिमट गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की संपत्ति को कुछ लोगों में बांट दिया गया है, और निजीकरण की नीति ने रोजगार के अवसर खत्म कर दिए हैं। कांग्रेस नेता ने सवाल उठाया — "20 साल से जो लोग सत्ता में हैं, वे अब मंच पर आकर डेढ़ करोड़ रोजगार देने की बात करते हैं। अगर मंशा सच्ची थी तो इतने सालों में युवाओं को रोजगार क्यों नहीं मिला? उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ जनता अब जाग चुकी है। बड़े-बड़े इवेंट्स में सपने दिखाए जाते हैं, लेकिन आम आदमी का जीवन बद से बदतर होता जा रहा है।

सर्दियों की आहट मिलते ही बंद हुई 'फूलों की घाटी'

देहरादून। उत्तराखंड की वादियों में बसे प्रकृति के अद्भुत नज़ारे अब अगले वर्ष तक पर्यटकों की पहुंच से दूर रहेंगे। चमोली जिले में स्थित विश्व धरोहर 'फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान' को एक बार फिर सर्दियों के मौसम के लिए बंद कर दिया गया है। अब यह घाटी पर्यटकों के लिए 1 जून 2026 को दोबारा खोली जाएगी। प्राकृतिक सौंदर्य के इस अनुपम स्थल ने इस वर्ष भी हजारों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित किया। 1 जून से 31 अक्तूबर तक चली पर्यटक सीजन अवधि में कुल 15,924 लोगों ने घाटी का दीदार किया, जिनमें 416 विदेशी पर्यटक भी शामिल रहे। इस दौरान नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क प्रशासन को लगभग 33 लाख रूपए की राजस्व प्राप्ति हुई।

बिजनौर के पर्व चौधरी ने एशियाई यूथ गेम्स में जीता कांस्य

बिजनौर। जनपद के फुलसंदा गांव के वेटलिफ्टिंग खिलाड़ी पर्व चौधरी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है। बहरीन में आयोजित तीसरे एशियाई यूथ गेम्स में पर्व ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। वेटलिफ्टिंग अकादमी के कोच करण सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पर्व चौधरी ने 96 किलोग्राम भार वर्ग के यूथ बॉयज़ वर्ग में 181 किलोग्राम वजन उठाकर यह उपलब्धि हासिल की। उनके इस प्रदर्शन से पूरे जनपद में खुशी की लहर है। पर्व की इस सफलता पर परिजन, कोच और खेल प्रेमियों ने गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह पदक न केवल जिले के लिए, बल्कि देश के लिए भी गौरव का क्षण है।

बिहार चुनाव: 'जंगलराज' की वापसी पर सियासी जंग!

एजेंसी | पटना

बिहार विधानसभा चुनाव का माहौल गरमाने के साथ ही एक बार फिर "जंगलराज बनाम सुशासन" का मुद्दा सियासत के केंद्र में लौट आया है। मोकामा में बाहुबली दुलारचंद यादव की हत्या ने इस बहस को और तीखा बना दिया है। जहां भाजपा इसे राजद के पुराने शासन की याद दिलाने वाला दौर बता रही है, वहीं महागठबंधन ने इस पर पलटवार करते हुए सुशासन के दावों पर सवाल उठाए हैं। बीते सप्ताह से भाजपा ने अपने प्रचार अभियान की दिशा बदलते हुए 'सुशासन बनाम जंगलराज' को प्रमुख एजेंडा बना लिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ तक हर जनसभा में इस शब्द को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि, अब विपक्ष ने भी इसी मुद्दे पर जवाबी हमला शुरू कर दिया है, जिससे यह बहस और तीखी होती जा रही है।

चार दिन में तय होगी बहस की दिशा

पहले चरण के मतदान में अब केवल चार दिन बचे हैं। प्रधानमंत्री मोदी तीन रैलियां करेंगे, जबकि नीतीश कुमार दस जनसभाओं को संबोधित करेंगे। तेजस्वी यादव भी दर्जनभर जनसभाओं से माहौल बनाने में जुटे हैं। जाहिर है, आने वाले कुछ दिन बिहार की राजनीति में 'जंगलराज बनाम सुशासन' की जंग को और अधिक धार देने वाले साबित होंगे।

तेजस्वी के सामने छवि सुधार की चुनौती

तेजस्वी यादव के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती अपनी पार्टी की पुरानी छवि से बाहर निकलने की है। बिहार में करीब 1.77 करोड़ युवा मतदाता हैं, जिनमें से ज्यादातर उस दौर में पैदा भी नहीं हुए जब राजद सत्ता में थी। बावजूद इसके, 'जंगलराज' की कहानियां अब भी लोककथाओं की तरह नई पीढ़ी तक पहुंच रही हैं, जिससे तेजस्वी के लिए सियासी जमीन तैयार करना कठिन हो गया है।

अपराध और जातीय हिंसा की काली परछाई

लालू-राबड़ी शासनकाल में राजनीति और अपराध का गठजोड़ चरम पर पहुंचा। 2001 से 2004 के बीच फिरौती के लिए अपहरण के 1,500 से अधिक मामले दर्ज हुए। जातीय हिंसा भी उस दौर की सबसे बड़ी पहचान बनी रही — लक्ष्मणपुर बाथे और सेनारी जैसे नरसंहार आज भी बिहार की स्मृति में दर्ज हैं। वरिष्ठ पत्रकार लव कुमार मिश्रा के अनुसार, "उस दौर में कानून व्यवस्था की जड़ें तक हिल चुकी थीं और जनता भय के साए में जी रही थी।"

'जंगलराज' शब्द की जड़ें और राजनीतिक सफर

1997 में "जंगलराज" शब्द का जन्म तब हुआ जब लालू प्रसाद यादव के इस्तीफे के बाद राबड़ी देवी मुख्यमंत्री बनीं। उस समय पटना उच्च न्यायालय ने जलजमाव पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि "शहर की हालत जंगलराज से भी बदतर है।" विपक्ष ने इस टिप्पणी को राजनीतिक नारा बना दिया और तब से यह शब्द लालू-राबड़ी शासन का पर्याय बन गया।

राजद की दलील और सियासी हकीकत

राजद का दावा है कि "जंगलराज" शब्द सामाजिक न्याय की उपलब्धियों को कमजोर करने की साजिश है। लेकिन आंकड़े और घटनाएं अब भी इस बहस को जिन्दा रखे हुए हैं।

जनसुनवाई में लापरवाही पर 32 पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

एजेंसी | संभल

उत्तर प्रदेश के संभल जनपद में पुलिस विभाग में बड़ी कार्रवाई की गई है। जनसुनवाई में लापरवाही बरतने के आरोप में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने एक साथ 32 पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया है। ये सभी जिले के विभिन्न थानों में तैनात थे। एसपी विश्नोई ने बताया कि यह कदम पुलिस की कार्यप्रणाली में अनुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनसुनवाई में लापरवाही या जनता की शिकायतों की अनदेखी किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लाइन हाजिर किए गए पुलिसकर्मियों में कोतवाली संभल के आरक्षी राजपाल सिंह और मुख्य आरक्षी सह चालक बलराज, थाना हयातनगर के चालक रूपचंद, आरक्षी नीरज कुमार और आशू यादव, थाना कैलादेवी के मुख्य आरक्षी अशोक कुमार और सत्येंद्र कुमार शर्मा शामिल हैं। इसी क्रम में थाना हजरतनगर गढ़ी से आरक्षी मोहित कुमार और मुख्य आरक्षी सोवरन सिंह, थाना नखासा से आरक्षी अनिरुद्ध चौधरी और सहचालक आकाश जुरैल, थाना असमोली से आरक्षी रोबिन राठी और भोलू तोमर, थाना रायसत्ती से मुख्य आरक्षी अरुण सिवाल और आरक्षी गौरव शर्मा को भी लाइन हाजिर किया गया है। इसके अलावा थाना ऐंचौड़ा कम्बोह, बबराला, रजपुरा, जुनावई, धनारी, चंदौसी, बनियाठेर और कुढ़फत्तेहगढ़ थानों के कई आरक्षी व मुख्य आरक्षी भी इस सूची में शामिल हैं। एसपी ने चेतावनी दी है कि भविष्य में भी यदि किसी पुलिसकर्मी की कार्यशैली में ढिलाई या जनसमस्याओं के प्रति उदासीनता पाई गई तो कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

फैसले से पहले टूटी हिम्मत: हिस्ट्रीशीटर ने खुद को मारी गोली

एजेंसी | सुलतानपुर

उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। 17 साल पुराने एलआईसी लूटकांड के फैसले से महज कुछ दिन पहले ही आरोपित हिस्ट्रीशीटर ने खुद को गोली मार ली। कोर्ट में 5 नवंबर को सुनाया जाने वाला फैसला अब मौत की जांच के साये में पहुंच गया है। जानकारी के मुताबिक, कूरेभार थाना क्षेत्र के गलिबहा गांव निवासी 38 वर्षीय दुर्गेश सिंह ऊर्फ मोनू, जो थाने का हिस्ट्रीशीटर था, ने शनिवार सुबह अपने कमरे में अवैध तमंचे से सीने में गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद था। सूचना पाकर पुलिस पहुंची और दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला। पुलिस को मौके से एक तमंचा बरामद हुआ है। बल्दीराय क्षेत्राधिकारी आशुतोष कुमार ने बताया कि दुर्गेश के सीने में गोली लगी है और प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी गई है। गौरतलब है कि 1 सितंबर 2008 को कादीपुर स्थित एलआईसी शाखा में दिनदहाड़े हुई डकैती में बदमाशों ने 13 लाख 15 हजार रूपए लूटे थे। इस दौरान उन्होंने शाखा के गार्ड से रिवॉल्वर छीनकर धमकाया था।

स्मार्टफोन नहीं, पुस्तकों को बनाएं अपना साथी: योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर विवि में पुस्तक महोत्सव 2025 का आगाज

एजेंसी | गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे स्मार्टफोन पर समय व्यर्थ करने के बजाय अच्छी पुस्तकों को अपना साथी बनाएं। उन्होंने कहा, "अच्छी किताबें इंसान की सबसे सच्ची मार्गदर्शक होती हैं, जो न केवल ज्ञान देती हैं बल्कि जीवन के कठिन समय में दिशा भी दिखाती हैं।"मुख्यमंत्री शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित 'गोरखपुर पुस्तक महोत्सव 2025' का शुभारंभ कर रहे थे। नौ दिन तक चलने वाले इस महोत्सव का आयोजन नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) और डीडीयू विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और प्रतियोगिता में विजयी बच्चों को सम्मानित किया। मंच पर सांसद रविकिशन शुक्ला, विधायक विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ला, श्रीराम चौहान, श्रवण निषाद, महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, कुलपति प्रो. पूनम टंडन, एनबीटी चेयरमैन मिलंद सुधारक मराठे, युवराज मलिक और आचार्य पवन त्रिपाठी सहित कई गणमान्य मौजूद रहे।

'एग्जाम वॉरियर्स' का किया उल्लेख

योगी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि स्मार्टफोन पर बढ़ती निर्भरता युवाओं में अवसाद और मानसिक विचलन का कारण बन रही है। उन्होंने सलाह दी कि "समय को स्क्रीन पर नहीं, किताबों में निवेश करें।" मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पुस्तक 'एग्जाम वॉरियर्स' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह विद्यार्थियों के लिए जीवन प्रबंधन की एक उपयोगी मार्गदर्शिका है।

नौ दिन तक चलेगा पुस्तक महोत्सव

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पुस्तक महोत्सव आने वाले नौ दिनों तक ज्ञान, विमर्श और संवाद का केंद्र बनेगा। इसमें 200 से अधिक स्टॉलों के माध्यम से पाठकों को विविध विषयों की पुस्तकें उपलब्ध होंगी। साथ ही कई साहित्यिक चर्चाएं, पुस्तक विमोचन और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

भारतीय चिंतन का हो रहा प्रसार

उन्होंने कहा कि गोरखपुर की धरती विशेष है, जहां पिछले सौ वर्षों से गीता प्रेस के माध्यम से सनातन संस्कृति और भारतीय चिंतन का प्रसार हो रहा है। मुख्यमंत्री ने महान साहित्यकारों — फिराक गोरखपुरी, मुंशी प्रेमचंद, प्रो. विश्वनाथ त्रिपाठी और श्रीराम दरस मिश्र को स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि दी।

57600 ग्राम पंचायतों में पुस्तकालय

योगी आदित्यनाथ ने बताया कि प्रदेश सरकार 57,600 ग्राम पंचायतों में ग्राम सचिवालयों के साथ पुस्तकालय स्थापित कर रही है, ताकि गांव-गांव में पढ़ने की संस्कृति विकसित हो। उन्होंने कहा, "हमारे 1.36 लाख से अधिक प्राथमिक विद्यालय अब पुस्तकालय और डिजिटल लाइब्रेरी से सुसज्जित हैं — यह शिक्षा क्रांति का नया अध्याय है।"

व्यापार जगत

सोने की चमक से बाजार रोशन, चांदी के दाम स्थिर

एजेंसी | नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज एक बार फिर सोने ने अपनी चमक बिखेर दी है। निवेशकों और ग्राहकों की बढ़ती मांग के चलते सोने के दामों में तेजी का रुख देखने को मिल रहा है। हालांकि, चांदी की कीमतों में आज कोई बदलाव नहीं हुआ। शुक्रवार के कारोबार में सोना 1,670 से लेकर 1,820 रूपए प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ। इस तेजी के साथ देशभर के प्रमुख सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,23,290 से 1,23,440 रूपए प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,13,010 से 1,13,160 रूपए प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी 1,50,900 रूपए प्रति किलोग्राम के भाव पर स्थिर बनी हुई है।

दिल्ली में 1,23,440 प्रति 10 रूपए प्रति ग्राम

राजधानी दिल्ली में आज 24 कैरेट सोने की कीमत 1,23,440 रूपए और 22 कैरेट सोने की 1,13,160 रूपए प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,23,290 रूपए और 22 कैरेट सोना 1,13,010 रूपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर रहा।

चांदी के भाव में कोई हलचल नहीं

इसी तरह चेन्नई, कोलकाता, जयपुर, लखनऊ और पटना जैसे प्रमुख शहरों में भी सोने के भाव में समान तेजी दर्ज की गई। कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के बाजारों में भी आज पीली धातु की कीमतों में इजाफा देखने को मिला, जबकि चांदी के भाव में कोई हलचल नहीं रही। त्योहारी मौसम और वैश्विक बाजारों में बढ़ती मांग को देखते हुए विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले दिनों में सोने की कीमतों में और तेजी देखने को मिल सकती है, जबकि चांदी फिलहाल स्थिर रुख बनाए रख सकती है।

जीएसटी कलेक्शन: 1.96 लाख करोड़ रूपए की रिकॉर्ड वसूली

एजेंसी | नई दिल्ली

देश की अर्थव्यवस्था से जुड़ी एक सकारात्मक खबर सामने आई है। अक्टूबर 2025 में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) कलेक्शन 1.96 लाख करोड़ रूपए के आंकड़े पर पहुंच गया है। यह पिछले साल की तुलना में 4.6 प्रतिशत अधिक है, जो इस वित्त वर्ष में जीएसटी वसूली की मजबूत रफ्तार को दर्शाता है। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2024 में जीएसटी कलेक्शन 1.87 लाख करोड़ रूपए था। वहीं, सितंबर 2025 में यह आंकड़ा 1.89 लाख करोड़ और अगस्त में 1.86 लाख करोड़ रूपए रहा था। लगातार तीन महीनों से वसूली में बढ़त दर्ज की जा रही है, जिससे अर्थव्यवस्था में खपत और कर अनुपालन (टैक्स कंप्लायंस) में सुधार का संकेत मिलता है।

जीएसटी 2.0 बना गेम चेंजर

22 सितंबर से लागू जीएसटी 2.0 के तहत टैक्स स्ट्रक्चर में बड़ा बदलाव किया गया है। अब देश में सिर्फ दो टैक्स स्लैब—5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत—लागू हैं। 12 और 28 प्रतिशत वाले स्लैब को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। वहीं, लग्जरी और 'सिन गुड्स' (जैसे—शराब, सिगरेट आदि) पर 40 प्रतिशत की विशेष जीएसटी दर रखी गई है। इस बदलाव से 375 वस्तुओं—जिनमें किचन आइटम, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल शामिल हैं—की कीमतें तुलनात्मक रूप से घट गई हैं।

राजस्व और रिफंड दोनों में बढ़ोतरी

अक्टूबर 2025 में जीएसटी रिफंड सालाना आधार पर 39.6 प्रतिशत बढ़कर 26,934 करोड़ रूपए तक पहुंच गया है। वहीं, सकल घरेलू राजस्व (ग्रॉस डोमेस्टिक रेवेन्यू) में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो अब 1.45 लाख करोड़ रूपए हो गया है। इंपोर्ट पर वसूला गया टैक्स भी 13 प्रतिशत की छलांग लगाते हुए 50,884 करोड़ रूपए तक पहुंच गया।

दीक्षांत और अभिनव IAS पर आठ-आठ लाख का जुर्माना

एजेंसी | नई दिल्ली

देश में शिक्षा के नाम पर भ्रामक प्रचार करने वाले कोचिंग संस्थानों पर अब शिकंजा कसने लगा है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने झूठे और भ्रामक विज्ञापन चलाने के आरोप में दीक्षांत आईएएस और अभिनव आईएएस पर आठ-आठ लाख रूपए का भारी जुर्माना ठोका है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह कदम शिक्षा जगत में पारदर्शिता लाने और छात्रों के हितों की रक्षा के लिए एक सकारात्मक पहल है, जो आने वाले समय में भ्रामक प्रचार करने वालों के लिए चेतावनी साबित होगी। सीसीपीए की तरफ से सभी को चेतावनी दी गई है कि वे झूठे दावे बंद करें, अन्यथा कठोर कार्रवाई की जाएगी। किए और असत्य दावे पेश किए।

पेंशनर्स के लिए लाइफ सर्टिफिकेट जमा करने की प्रक्रिया शुरू

एजेंसी | नई दिल्ली

नवंबर की शुरुआत के साथ ही आम लोगों के जीवन और बैंकिंग से जुड़े कई अहम नियम बदल गए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), वित्त मंत्रालय और यूआईडीएआई द्वारा जारी नई व्यवस्थाएं आज से लागू हो गई हैं। इनमें पेंशनर्स के लिए लाइफ सर्टिफिकेट जमा करने की प्रक्रिया, यूनिफाइड पेंशन स्कीम (UPS) की नई डेडलाइन, बैंक खातों में चार नॉमिनी जोड़ने की सुविधा, एसबीआई कार्ड पर अतिरिक्त शुल्क और बच्चों के आधार कार्ड अपडेट पर राहत जैसे

नियम शामिल हैं। केंद्र और राज्य सरकार के रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए आज से जीवन प्रमाण पत्र (Life Certificate) जमा करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पेंशनर्स इसे जीवन प्रमाण पोर्टल के जरिए डिजिटल रूप में या नजदीकी बैंक अथवा डाकघर जाकर जमा कर सकते हैं। अंतिम तिथि 30 नवंबर 2025 तय की गई है। निर्धारित समय सीमा में सर्टिफिकेट न जमा करने पर पेंशन भुगतान में बाधा आ सकती है। केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों को राहत देते हुए यूनिफाइड पेंशन स्कीम (UPS) में शामिल होने की अंतिम तारीख 30 सितंबर से बढ़ाकर 30 नवंबर 2025 कर दी है। कई मंत्रालयों और विभागों की मांग पर यह निर्णय लिया गया, ताकि अधिकाधिक कर्मचारी इस नई व्यवस्था का लाभ उठा सकें। आज से बैंक खातों में नॉमिनी जोड़ने को लेकर नई सुविधा शुरू हो गई है।

मुनाफा वसूली से फिसले सेंसेक्स-निफ्टी, पीएसयू बैंक बने बाजार के चमकते सितारे

एजेंसी | नई दिल्ली

चार सप्ताह से लगातार चढ़ान पर दौड़ रहे घरेलू शेयर बाजार की रफ्तार आखिरकार इस हफ्ते थम गई। मुनाफा वसूली के दबाव में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही सूचकांक साप्ताहिक आधार पर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। सप्ताह के पांच कारोबारी सत्रों में केवल सोमवार और बुधवार को बाजार में तेजी रही, जबकि बाकी तीन दिन निवेशकों की बिकवाली हावी रही।

सेंसेक्स-निफ्टी की रफ्तार थमी

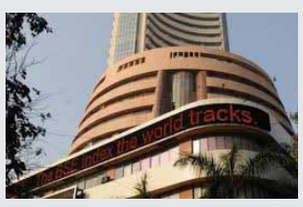

साप्ताहिक आधार पर बीएसई सेंसेक्स 0.30% गिरकर 83,938.71 अंक पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 0.31% फिसलकर 25,722.10 अंक पर आ गया। सप्ताह के पहले हिस्से में बाजार में मजबूती दिखी, ले किन मंगलवार से शुक्रवार तक हुई मुनाफा वसूली ने सारी बढ़त मिटा दी। कमजोर माहौल के बीच पीएसयू बैंक इंडेक्स ने शानदार प्रदर्शन किया और साप्ताहिक आधार पर 5% की बढ़त के साथ टॉप गेनर बना। सेबी के नए प्रस्ताव के बाद सरकारी बैंकों में खरीदारी का रुझान तेज़ रहा। यूनियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और इंडियन बैंक के शेयरों में 5% तक की उछाल देखने को मिली।

आईटी-फार्मा सेक्टर में गिरावट का दबाव

दूसरी ओर, फार्मास्यूटिकल, आईटी और फाइनेंशियल सेक्टर ने बाजार पर बोझ बढ़ाया।एटरनल हेल्थ और मैक्स हेल्थकेयर के शेयर लगभग 3% टूटे, जबकि सिप्ला ने अपने मार्जिन आउटलुक में कटौती के बाद 2% की गिरावट दर्ज की। एमफैसिस 5% और बंधन बैंक 8% गिर गया।

कुछ स्टॉक्स ने दिखाई मजबूती

कमजोर माहौल के बावजूद भारत इलेक्ट्रॉनिक्स (BEL) के शेयरों ने उम्मीद से बेहतर नतीजों के बल पर 4% की साप्ताहिक बढ़त दर्ज की। श्रीराम फाइनेंस में 2% की उछाल आई, जबकि नवीन फ्लोरीन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 15% की साप्ताहिक छलांग लगाई। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि लगातार चार सप्ताह की तेजी के बाद मुनाफा वसूली स्वाभाविक थी। फिलहाल निवेशक आगामी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति, कॉर्पोरेट तिमाही नतीजे और क्रूड ऑयल की कीमतों पर नजर बनाए हुए हैं।

भारत बनाम दक्षिण अफ्रीकाः इतिहास रचने को तैयार महिला क्रिकेट

आज होगी नये विश्व चैंपियन की ताजपोशी

एजेंसी । नई दिल्ली

महिला वनडे विश्व कप 2025 का महामुकाबला रविवार को मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां भारत और दक्षिण अफ्रीका खिताब के लिए आमने-सामने होंगे। इस बार न तो ऑस्ट्रेलिया और न इंग्लैंड फाइनल में पहुंचे हैं, ऐसे में महिला क्रिकेट को एक नया विश्व चैंपियन मिलने जा रहा है। भारत ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 339 रनों के लक्ष्य का पीछा कर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी, जबकि दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई। दोनों टीमें अब जीत से सिर्फ एक कदम दूर हैं।

भारत ने की दमदार वापसी

भारत का टूर्नामेंट सफर रोमांचक रहा है। लीग चरण में लगातार तीन हार के बाद टीम ने जबरदस्त वापसी करते हुए न्यूजीलैंड को हराया और फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यादगार प्रदर्शन किया। वहीं दक्षिण अफ्रीका ने पूरे टूर्नामेंट में स्थिरता बनाए रखी, हालांकि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका टॉप ऑर्डर कमजोर दिखा।

छक्के छुड़ाने को मंधाना तैयार

दक्षिण अफ्रीका की तेज गेंदबाज मारिजने कप्प भारतीय शीर्ष क्रम के लिए सबसे बड़ी चुनौती होंगी। उन्होंने टूर्नामेंट में किफायती गेंदबाजी करते हुए कई बार विपक्षी टीमों को शुरुआती झटके दिए हैं। हालांकि, मंधाना की आक्रामक फॉर्म और खाका के खिलाफ उनका दमदार रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों की मुश्किलें बढ़ा सकता है।

भारतीय स्पिनर की होगी परीक्षा

भारतीय टीम की रणनीति होगी कि लौरा वोल्वार्ड्ट को शुरुआत में ही पवेलियन भेजा जाए, क्योंकि लंबे समय तक टिकने पर वह मैच का रुख बदल सकती हैं। आंकड़े बताते हैं कि वह तेज गेंदबाजों के खिलाफ बेहतर खेलती हैं, जबकि स्पिन के सामने उनकी स्ट्राइक रेट गिर जाती है। दीप्ति शर्मा, राधा यादव और चारनी फिर से उनके लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकती हैं।

ओपनिंग जोड़ी से उम्मीदें

स्मृति मंधाना इस समय करियर की बेहतरीन फॉर्म में हैं। प्रतिका रावल की चोट के कारण अब उनके साथ शैफाली वर्मा ओपनिंग करेंगी। दोनों से फाइनल में तेज शुरुआत की उम्मीद है। दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ड्ट और टैजमिन ब्रिट्स की जोड़ी भी इस टूर्नामेंट में भरोसेमंद साबित हुई है।

फील्डिंग में ढिलाई पड़ेगी भारी

भारत की फील्डिंग इस टूर्नामेंट में कमजोर कड़ी रही है। अब तक टीम 18 कैच और तीन स्टंपिंग मौके गंवा चुकी है। फाइनल जैसे बड़े मुकाबले में ऐसी गलतियां निर्णायक साबित हो सकती हैं। रविवार को सबकी निगाहें इस ऐतिहासिक फाइनल पर होंगी — क्या भारत पहली बार महिला वनडे विश्व कप अपने नाम करेगा या दक्षिण अफ्रीका नई दास्तां लिखेगा।

रोहन बोपन्ना ने प्रोफेशनल टेनिस को कहा अलविदा

नई दिल्ली। भारत के अनुभवी टेनिस सितारे रोहन बोपन्ना ने शनिवार को प्रोफेशनल टेनिस को अलविदा कह दिया। लगभग दो दशकों तक अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर भारतीय टेनिस का परचम लहराने वाले बोपन्ना ने पेरिस मास्टर्स 1000 को अपना आखिरी टूर्नामेंट बनाया, जहां उन्होंने अलेक्जेंडर बब्लिक के साथ जोड़ी बनाई। 43 वर्षीय बोपन्ना ने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट के ज़रिए अपने संन्यास की घोषणा की। उन्होंने लिखा, "किसी ऐसी चीज़ को अलविदा कहना आसान नहीं, जिसने मेरे जीवन को मायने दिए। 20 अविश्वसनीय वर्षों के बाद अब वक्त आ गया है कि मैं अपने रैकेट को टांग दूं। कूर्ग की पहाड़ियों में लकड़ी काटने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियमों की रोशनी के नीचे खेलने तक यह सफर अविश्वसनीय रहा। भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है।" बोपन्ना ने अपने करियर में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कीं। पिछले वर्ष उन्होंने इतिहास रचते हुए 43 साल की उम्र में पुरुष युगल विश्व नंबर-1 बनकर रिकॉर्ड कायम किया। इसके साथ ही उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 में मैथ्यू एब्डन के साथ खिताब जीतकर ओपन एरा में सबसे उम्रदराज ग्रैंड स्लैम विजेता बनने का गौरव भी प्राप्त किया। 2017 में बोपन्ना ने फ्रेंच ओपन मिक्स्ड डबल्स का खिताब जीतकर भारत को गौरवान्वित किया था। इसके अलावा, वे एटीपी मास्टर्स 1000 और ग्रैंड स्लैम, दोनों खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने। हाल ही में उन्होंने जापान ओपन 2025 के फाइनल में पहुंचकर एक और रिकॉर्ड बनाया — ओपन एरा में दूसरे सबसे उम्रदराज पुरुष युगल फाइनलिस्ट के रूप में। बोपन्ना तीन बार भारत के लिए ओलंपिक में खेले और रियो 2016 में सानिया मिर्जा के साथ मिक्स्ड डबल्स में चौथे स्थान पर रहे।

रणजी ट्रॉफी: यशस्वी जायसवाल ने की धमाकेदार वापसी

राजस्थान के खिलाफ खेली 67 रनों की शानदार पारी

एजेंसी । जयपुर

युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने एक बार फिर अपने बल्ले से बता दिया कि वे भारतीय क्रिकेट का भविष्य हैं। रणजी ट्रॉफी के तीसरे दौर में राजस्थान के खिलाफ खेलते हुए जायसवाल ने शानदार 67 रनों की पारी खेलकर मुंबई को मज़बूत शुरुआत दिलाई। सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में जायसवाल ने 97 गेंदों पर आठ चौके और एक छक्का जमाया। उनकी यह पारी आत्मविश्वास और तकनीकी निपुणता का बेहतरीन उदाहरण रही। राजस्थान के गेंदबाज अनिकेत चौधरी ने उन्हें विकेटकीपर के हाथों कैच कराकर आउट किया, लेकिन तब तक जायसवाल मुंबई को मज़बूत स्थिति में पहुंचा चुके थे। समाचार लिखे जाने तक मुंबई ने पहली पारी में 34 ओवर में एक विकेट पर 107 रन बना लिए थे। क्रीज पर मुशीर खान 32 और कप्तान अजिंक्य रहाणे 3 रन बनाकर टिके हुए हैं। टीम का लक्ष्य अब पहली पारी में बड़ा स्कोर खड़ा कर बढ़त हासिल करने का है।

ओपनर के साथ की 100 रनों की साझेदारी

जायसवाल ने ओपनर मुशीर खान के साथ पहले विकेट के लिए 100 रनों की अहम साझेदारी कर टीम को ठोस शुरुआत दी। उनकी लय और टाइमिंग देखने लायक थी—जैसे वह अपनी पुरानी लय में लौट आए हों। गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में जायसवाल ने गोवा की ओर से खेलने का फैसला लिया था, लेकिन बाद में उन्होंने मुंबई के साथ बने रहने का निर्णय किया, और अब उसी का नतीजा मैदान पर दिख रहा है।

हाइलो ओपन 2025: उन्नति हुड्डा ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

पुरुष वर्ग में लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी की जंग थमी

एजेंसी । नई दिल्ली

जर्मनी में जारी सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट हाइलो ओपन 2025 में भारत की युवा स्टार उन्नति हुड्डा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वहीं, लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और किरण जॉर्ज को हार का सामना करना पड़ा, जिससे पुरुष एकल वर्ग में भारत का अभियान समाप्त हो गया।

कड़ी टक्कर के बाहर हुए लक्ष्य, आयुष

पुरुष एकल में लक्ष्य सेन ने इंडोनेशिया के खिलाड़ी के खिलाफ जोरदार मुकाबला किया, लेकिन तीन गेमों की कड़ी टक्कर में 17-21, 21-14, 15-21 से हार गए। यह मैच 74 मिनट तक चला। वहीं, आयुष शेट्टी को फिनलैंड के काले कोलजोनन ने 21-19, 12-21, 20-22 से पराजित किया। किरण जॉर्ज भी इंडोनेशिया के जोनेतन क्रिस्टी से 10-21, 16-21 से हारकर बाहर हो गए। अब भारत की नजरें पूरी तरह से उन्नति हुड्डा पर टिकी हैं, जो शनिवार को सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त पुत्रि कुसुमा वारदानी से भिड़ेंगी। अगर उन्नति अपनी लय बरकरार रखती हैं, तो भारत को इस टूर्नामेंट में पदक की उम्मीद बनी रहेगी।

चीनी ताइपे की लिन को दो सेट में हराया

18 वर्षीय उन्नति हुड्डा ने चीनी ताइपे की चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी लिन हिसयांग ति को सीधे गेमों में 22-20, 21-13 से मात दी। 47 मिनट तक चले इस मुकाबले में उन्नति ने आक्रामक और संयमित खेल का बेहतरीन संतुलन दिखाया। उनकी जीत ने भारत की उम्मीदों को जीवित रखा है। महिला एकल वर्ग में ही भारत की रक्षिता श्री संतोष रामराज को डेनमार्क की छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी लाइन क्रिस्टोफर्सन से 7-21, 19-21 की हार झेलनी पड़ी।

बॉलीवुड

'पेड्डी' के मेकर्स ने जान्हवी कपूर का दमदार लुक किया रिलीज

जान्हवी कपूर इन दिनों अपने करियर के एक रोमांचक मोड़ पर हैं। वरुण धवन के साथ उनकी पिछली फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' भले ही बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी, लेकिन अभिनेत्री ने साबित कर दिया कि वह जोखिम लेने से नहीं डरतीं। अब वह अपनी अगली फिल्म 'पेड्डी' के जरिए एक बिल्कुल नए अवतार में नज़र आने वाली हैं, जो दर्शकों को उनका अब तक का सबसे देसी और जज्बाती रूप दिखाने वाली है।

'पेड्डी' में जान्हवी का देसी और दमदार लुक

फिल्म के निर्माताओं ने जान्हवी कपूर का फर्स्ट लुक जारी कर दिया है, जिसने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। दो नए पोस्टरों में अभिनेत्री को बेहद देसी अंदाज़ में देखा जा सकता है, मिट्टी से सनी साड़ी, माथे पर बड़ा सा बिंदी, और आंखों में आत्मविश्वास की चमक। एक पोस्टर में वह जीप पर खड़ी होकर हाथ जोड़ती नज़र आती हैं, मानो अपने गांव की शेरनी हों, जबकि दूसरे में वह हाथ सिर पर टिकाए, धूप में किसी सोच में डूबी दिखती हैं। फिल्म में जान्हवी का किरदार अचियम्मा नाम की एक गांव की लड़की का है, जो निडर, तेज-तर्रार और अपने विचारों पर अडिग है। यह किरदार न सिर्फ उनके अभिनय कौशल की नई परतें खोलेगा, बल्कि उन्हें एक सशक्त ग्रामीण नायिका के रूप में पेश करेगा, जो अपने हक और सपनों के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।

राम चरण संग पहली बार स्क्रीन शेयर करेंगी जान्हवी

'पेड्डी' में जान्हवी के अपोजिट साउथ सुपरस्टार राम चरण हैं, जो फिल्म में एक बहादुर और भावनात्मक रूप से जटिल किरदार निभा रहे हैं। दोनों सितारों की जोड़ी को लेकर पहले से ही काफी चर्चा है, क्योंकि यह पहली बार होगा जब राम चरण और जान्हवी कपूर बड़े पर्दे पर साथ दिखेंगे। प्रशंसकों को उम्मीद है कि इनकी केमिस्ट्री स्क्रीन पर बिजली की तरह चमकेगी। निर्माताओं ने घोषणा की है कि 'पेड्डी' 27 मार्च 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। फिल्म को हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम में एक साथ रिलीज़ किया जाएगा।

'बाहुबली द एपिक' ने बॉक्स ऑफिस पर लगाई दहाड़

साउथ सिनेमा को पूरे देश में नई पहचान दिलाने वालों में अगर किसी का नाम सबसे पहले लिया जाए, तो वह है एस.एस. राजामौली। साल 2015 में जब उन्होंने 'बाहुबली' बनाई, तो हिंदी बेल्ट के दर्शक भी साउथ भारतीय फिल्मों के दीवाने बन गए। इसके बाद 'बाहुबली 2' आई और फिर बॉक्स ऑफिस का पूरा परिदृश्य बदल गया। अब राजामौली ने दोनों फिल्मों को जोड़कर एक भव्य सिनेमाई अनुभव के रूप में 'बाहुबलीः द एपिक' पेश की है, जिसने आते ही दर्शकों के दिल और कलेक्शन दोनों जीत लिए।

पहले दिन 'बाहुबली: द एपिक' ने किया तगड़ा धमाका

31 अक्टूबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने पहले ही दिन 10 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर शानदार शुरुआत की। सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 9.25 करोड़ रुपये की ओपनिंग ली, जबकि इसकी स्पेशल स्क्रीनिंग से 1.15 करोड़ रुपये का अतिरिक्त कलेक्शन हुआ। इस तरह पहले दिन का कुल कारोबार 10.40 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। सिनेमाघरों में दर्शकों का जोश देखकर साफ है कि 'बाहुबली' ब्रह्माण्ड का आकर्षण अब भी बरकरार है।

10 साल बाद भी बरकरार है 'बाहुबली' का जादू

करीब 3 घंटे 45 मिनट की इस भव्य प्रस्तुति ने सोशल मीडिया पर सकारात्मक लहर पैदा कर दी है। दर्शक कह रहे हैं कि एक दशक बाद भी राजामौली की कहानी कहने की कला का जादू कम नहीं हुआ है। शानदार एडिटिंग, पुनर्निर्मित विजुअल्स और सिनेमाई पैमाने पर यह फिल्म एक अनुभव बनकर उभरी है। इसकी सफलता के आगे नई रिलीज़ हुई फिल्में 'थामा' और 'एक दीवाने की दीवानियत' फीकी पड़ गई हैं। व्यापार विश्लेषकों का मानना है कि वीकेंड तक 'बाहुबली : द एपिक' बॉक्स ऑफिस पर जोरदार उछाल ले सकती है और एक बार फिर साबित करेगी कि राजामौली का नाम ही ब्लॉकबस्टर की गारंटी है।

कृति सैनन ने ली 'डॉन 3' की कमान

मीन की जिंदगी और उनके पति एवं मशहूर फिल्मकार कमाल अमरोही के साथ उनका रिश्ता हमेशा विवादों और उतार-चढ़ाव में रहा। उसी टूटन, उसी दर्द और उसी जज्बाती सफर को निर्देशक सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा और बिलाल अमरोही इस फिल्म में नए अंदाज में पेश करने जा रहे हैं।

सामने आएगा मीना और कमाल के रिश्ते का सच

फिल्म के जरिए दर्शकों को सिर्फ मीना की कला नहीं, बल्कि उनकी निजी जिंदगी की सच्ची और कड़वी सच्चाइयां भी देखने को मिलेंगी, जैसी वो पर्दे पर नहीं, असल जिंदगी में थीं। रिपोर्ट डे के मुताबिक, फिल्म की कास्टिंग का पूरा काम हो चुका है और कियारा को अपने करियर का सबसे बड़ा रोल मिल गया है। ये फिल्म दिखाए कि मीना का कमाल के साथ कैसा रिश्ता था और उनकी जिंदगी में कितना दर्द था।फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया कि इस प्रोजेक्ट के लिए कई महीनों से बातचीत चल रही थीं। निर्माताओं को कियारा में वो आकर्षण और वो पुरानी क्लासिक बॉलीवुड वाली गहराई दिखाई दी, जिसकी जरूरत मीना कुमारी जैसी महान शख्सियत को पर्दे पर उतारने के लिए थी। निर्माता-निर्देशक को लगता है कि कियारा न सिर्फ ये किरदार निभा सकती हैं, बल्कि मीना की कहानी को असल भावनाओं के साथ बड़े पर्दे पर जिंदा कर सकती हैं।

कब शुरू होगी फिल्म की शूटिंग?

ऐसा पहली दफा है, जब कियारा किसी असल शख्सियत का जीवन पर्दे पर उतारेंगी। बताया जा रहा है कि ये फिल्म उनके करियर के लिए मील का पत्थर साबित हो सकती है। खास बात ये है कि मां बनने के बाद कियारा की ये पहली फिल्म भी है। इस मेगा प्रोजेक्ट की शूटिंग 2026 की पहली छमाही में शुरू होने की तैयारी है। मतलब कियारा के पास अपने किरदार के लिए तैयारी करने का पूरा समय होगा।

छोटा तिरुपति : वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़ से नौ की मौत

- आंध्र प्रदेश में श्रद्धालुओं पर टूटा कहर, दर्जनों श्रद्धालु घायल
- हादसे के समय 25 हजार से ज्यादा दर्शनार्थी थे कतारबद्ध

श्रीकाकुलम। आंध्र प्रदेश के काशीबुग्गा वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में शुक्रवार को एकादशी के मौके पर भारी भीड़ के बीच मची भगदड़ में नौ श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। हादसे के वक्त मंदिर परिसर में 25 हजार से अधिक श्रद्धालु दर्शन के लिए कतार में खड़े थे। प्रशासन ने घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं।

घटना का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने स्थानीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को घटनास्थल पर जाकर राहत कार्यों की निगरानी करने को कहा है। राज्य मंत्री अनम राम नारायण रेड्डी ने भी घटना की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

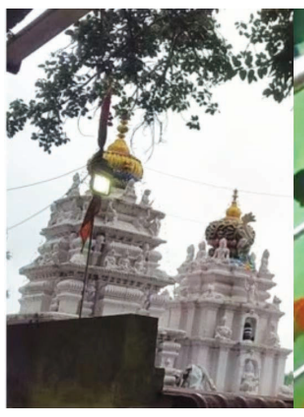

एकादशी पर्व पर उमड़ा था सैलाब

पुलिस के अनुसार, एकादशी के कारण सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। दर्शन के दौरान भीड़ के दबाव में रेलिंग टूट गई, जिससे कई लोग नीचे गिर पड़े और अफरातफरी मच गई। देखते ही देखते हालात बेकाबू हो गए और भगदड़ में कई लोग दब गए।

बाहरी जिलों से ली गई तत्काल मदद

घायलों को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। स्थानीय विधायक गौतु शीर्षा राहत और बचाव कार्यों की निगरानी कर रही हैं। अतिरिक्त एंबुलेंस और पुलिस बल जिले के बाहर से बुलाए गए हैं।

छोटा तिरुपति के नाम से है विख्यात

मंदिर के निर्माणकर्ता हरि मुकुंद पांडा परिवार ने दस साल पहले लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से 12 एकड़ भूमि पर इस मंदिर का निर्माण कराया था। उत्तर आंध्र में इसे 'छोटा तिरुपति' कहा जाता है। इसी लोकप्रियता के चलते एकादशी के दिन यहां भारी भीड़ जुटी थी।

मंदिर प्रशासन पर भीड़ की अनदेखी

स्थानीय लोगों का आरोप है कि मंदिर प्रशासन ने भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा के पर्याप्त इंतज़ाम नहीं किए, जिससे यह हादसा हुआ। कई श्रद्धालुओं का कहना है कि मंदिर प्रबंधन ने दर्शन व्यवस्था और प्राथमिक चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी की थी।

मुख्यमंत्री ने जताया शोक

पुलिस ने हालात पर काबू पा लिया है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह घटना "बेहद दर्दनाक और असहनीय" है।

सेवा और साधना ही ब्रह्मकुमारी बहनों की पहचान : मोदी

- शांति शिखर रिट्रीट सेंटर का भव्य उद्घाटन

एजेंसी । रायपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में ब्रह्मकुमारी जैसी संस्थाएं सामाजिक और आध्यात्मिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वे शनिवार को नवा रायपुर के सेक्टर-20 में ब्रह्मकुमारी संस्थान के नवनिर्मित 'शांति शिखर रिट्रीट सेंटर – एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड' के उद्घाटन और रजत महोत्सव समारोह को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी के साथ राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि सेवा, आत्मसंयम और शांति के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाना ब्रह्मकुमारी संस्था की पहचान है। उन्होंने कहा, "राष्ट्र निर्माण की इस यात्रा में ऐसे संगठन हमारी आत्मा को दिशा देते हैं। यहां शब्द कम और सेवा ज्यादा होती है।"

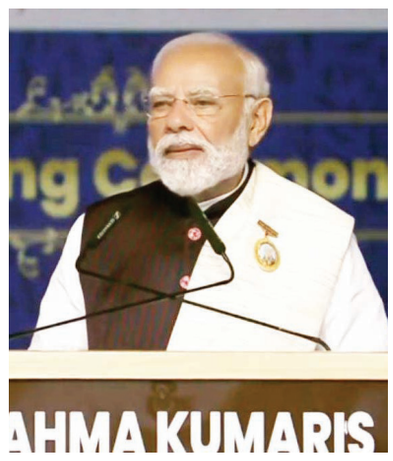

राज्यों केविकास में ही देश का विकास

प्रधानमंत्री ने झारखंड, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड राज्यों के स्थापना दिवस पर नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि "राज्यों के विकास में ही देश का विकास निहित है।" उन्होंने आगे कहा, "जब कथन और कर्म में एकता होती है, तभी सच्चा परिवर्तन संभव होता है। यही भाव ब्रह्मकुमारी संस्था के हर कार्य में झलकता है।"

बहनों की साधना ही असली शक्ति

मोदी ने अपने दशकों पुराने संबंधों को याद करते हुए बताया कि वे 2011 में अहमदाबाद के 'फ्यूचर ऑफ पावर' कार्यक्रम और 2012 में संस्था के 75 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित उत्सवों में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने कहा, "मैंने इस संस्था को वटवृक्ष की तरह बढ़ते हुए देखा है। यहां की हर बहन पहले खुद को तप और साधना से तैयार करती है।

स्मृतियों को याद कर हुए भावुक

मोदी ने भावुक होकर कहा, "मैं यहां अतिथि नहीं, आपका ही एक सदस्य हूं। जानकी दीदी का स्नेह और राजयोगिनी दादी योगिनी जी का मार्गदर्शन मेरे जीवन की अमूल्य स्मृतियां हैं।" प्रधानमंत्री ने अंत में देश-विदेश में जुड़े सभी ब्रह्मकुमारी परिवार के सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि "ओम शांति" केवल एक शब्द नहीं, बल्कि स्थिरता, सद्भाव और ब्रह्मांडीय शांति की भावना ।

न्यूज़ ब्रीफ

70 लाख की हेरोइन तस्करी का मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

सिरसा। सिरसा पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 70 लाख रुपये मूल्य की हेरोइन तस्करी के मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी जिले के कागदाना क्षेत्र से की गई है। आरोपी की पहचान औमप्रकाश उर्फ प्रकाश पुत्र मोहन लाल, निवासी बारु, थाना राशमी, जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) के रूप में हुई है। थाना नाथूसरी चौपटा प्रभारी इंस्पेक्टर राधेश्याम ने बताया कि यह मामला 28 अक्टूबर को सामने आया था, जब पुलिस ने कागदाना क्षेत्र से कृष्णलाल उर्फ किनो पुत्र रामस्वरूप, निवासी छतरियां, के कब्जे से 706 ग्राम हेरोइन बरामद की थी। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने यह नशा औमप्रकाश से खरीदा था। इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने सप्लायर औमप्रकाश को दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया।

तूफान के बीच चला रेस्क्यू ऑपरेशन, 11 बचाए गए

काठमांडू। नेपाल के मनांग जिले में भारी हिमपात के बीच फंसे 11 विदेशी पर्यटकों को सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) ने नौ घंटे की कठिन मशक्कत के बाद सुरक्षित निकाल लिया। इन पर्यटकों में एक 9 वर्षीय बच्चा और एक बीमार महिला भी शामिल हैं। एपीएफ के प्रवक्ता डीएसपी शैलेन्द्र थापा ने बताया कि माउंटेन रेस्क्यू ट्रेनिंग स्कूल (एमआरटीएस) से भेजी गई एक विशेष बचाव टीम ने प्रतिकूल मौसम और कठिन भू-भाग के बावजूद यह अभियान सफलतापूर्वक पूरा किया। उन्होंने कहा कि बर्फ की मोटी परत, ढलानदार रास्तों और खराब दृश्यता के बावजूद टीम ने तिलिचो बेस कैंप से सभी पर्यटकों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया। थापा के अनुसार, एक पर्यटक के पैर में चोट है, जबकि अधिकांश का ऑक्सीजन स्तर कम पाया गया है। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया है। इस अभियान का नेतृत्व एसपी टोपबहादुर डॉगी ने किया। उन्होंने बताया कि यह ऑपरेशन बेहद जोखिमपूर्ण था, क्योंकि बचाव दल को दो फीट तक जमी बर्फ, फिसलनभरी ढलानों और लगातार बर्फबारी के बीच रास्ता बनाना पड़ा।

आईसीयू में भर्ती हुए 'बसंती' के 'वीरू'

आईसीयू में इलाजरत धर्मेंद्र की हालत स्थिर

एजेंसी । नई दिल्ली

बॉलीवुड के महान अभिनेता धर्मेंद्र को स्वास्थ्य समस्या के चलते मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। 89 वर्षीय इस दिग्गज कलाकार की तबीयत को लेकर उनके प्रशंसकों में चिंता जरूर है, लेकिन डॉक्टरों ने आश्वासन दिया है कि उनकी हालत स्थिर है और चिंता की कोई बात नहीं है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, धर्मेंद्र को सांस लेने में तकलीफ के बाद बुधवार शाम अस्पताल में भर्ती किया गया। फिलहाल वे चिकित्सकों की सख्त निगरानी में हैं और उनकी नियमित जांचें जारी हैं। डॉक्टरों का कहना है कि जांच पूरी होने तक उन्हें अस्पताल में ही रखा जाएगा, हालांकि डिस्चार्ज की तारीख अभी तय नहीं की गई है।

फैंस की दुआएं और परिवार की देखरेख

धर्मेंद्र के अस्पताल में भर्ती होने की खबर के बाद सोशल मीडिया पर उनके शुभचिंतक लगातार उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं। परिवार के सदस्यों ने भी लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। धर्मेंद्र 8 दिसंबर को 90 वर्ष के होने वाले हैं, ऐसे में उनके प्रशंसकों के लिए यह खबर भावनात्मक झटका साबित हुई है।

अभी जारी रहेगा फिल्मी सफर

हाल ही में धर्मेंद्र फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में नजर आए थे, जिसमें शाहिद कपूर और कृति सैनन मुख्य भूमिका में थे। इससे पहले 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में उनके अभिनय को दर्शकों ने खूब सराहा था। अब वे निर्देशक श्रीराम राघवन की आगामी फिल्म 'इक्कीस' में नजर आएंगे, जिसमें अगस्त्य नंदा मुख्य भूमिका निभा रहे हैं और सिमर भाटिया इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं।

ट्रंप से रिश्तों में आई दरार पाटने में जुटे कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी

'रीगन' विज्ञापन पर ट्रंप से मांगी माफी

एजेंसी । ग्योंगजू

कनाडा और अमेरिका के बीच व्यापारिक तनातनी के बीच एक नई कड़ी सामने आई है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से 'रीगन' विज्ञापन विवाद को लेकर औपचारिक माफी मांगी है। इस विज्ञापन में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन का एक क्लिप इस्तेमाल किया गया था, जिसमें आयात शुल्कों को आर्थिक तबाही की जड़ बताया गया है।

व्यक्तिगत रूप से की क्षमा याचना

कार्नी ने यह माफी दक्षिण कोरिया में आयोजित एशिया-प्रशांत शिखर सम्मेलन के दौरान मीडिया से बातचीत में स्वीकार की। उन्होंने बताया कि यह माफी उन्होंने ट्रंप से ग्योंगजू में दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जेई म्युंग द्वारा आयोजित रात्रिभोज के दौरान व्यक्तिगत रूप से मांगी। प्रधानमंत्री कार्नी ने कहा, "मैंने राष्ट्रपति ट्रंप से स्पष्ट रूप से माफी मांगी। यह विज्ञापन चलाने से पहले मैंने ओन्टारियो के मुख्यमंत्री डग फोर्ड को इसे रोकने की सलाह भी दी थी।

रीगन के पुराने बयान पर बना था विज्ञापन

डग फोर्ड द्वारा तैयार इस राजनीतिक विज्ञापन में रिपब्लिकन पार्टी के प्रतीक नेता रीगन के पुराने बयान का इस्तेमाल किया गया था। विज्ञापन में कहा गया था कि आयात शुल्क व्यापार युद्ध और आर्थिक तबाही का कारण बन सकते हैं — इसी पर ट्रंप प्रशासन ने नाराज़गी जताई थी। विवाद के बाद ट्रंप ने कनाडाई आयातित वस्तुओं पर नए शुल्क लगाने और व्यापार वार्ता रोकने की घोषणा कर दी थी।

शी जिनपिंग से भी की मुलाकात

हालांकि, ट्रंप ने बाद में कहा कि रात्रिभोज के दौरान कार्नी के साथ उनकी "बहुत अच्छी" बातचीत हुई, लेकिन अमेरिका-कनाडा व्यापार वार्ता अभी दोबारा शुरू नहीं होगी। इस बीच कार्नी ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ भी मुलाकात की, जिसे उन्होंने "द्विपक्षीय संबंधों के लिए सकारात्मक शुरुआत" बताया। उन्होंने कहा कि उनकी एशिया यात्रा का मकसद अमेरिका पर आर्थिक निर्भरता को कम करना है। कार्नी बोले, "यह बदलाव एक दिन में नहीं होगा, लेकिन हम इस दिशा में तेज़ी से कदम बढ़ा रहे हैं।"

तंजानिया : भारी विवादों के बीच हसन की ऐतिहासिक जीत

- विपक्ष ने कहा- 'यह चुनाव नहीं, ताजपोशी थी'

डोडोमा (तंजानिया)। तंजानिया की राष्ट्रपति समिया सुलुहू हसन ने देश के हालिया चुनाव में 97 प्रतिशत से अधिक मतों से जबरदस्त जीत दर्ज की है। आधिकारिक नतीजे शनिवार तड़के घोषित किए गए, लेकिन यह जीत अब राजनीतिक विवादों और हिंसा के बीच सवालों के घेरे में आ गई है।

यह लोकतांत्रिक मुकाबला नहीं

विपक्षी दलों ने चुनाव को "एकतरफा और गैर-प्रतिस्पर्धी" करार दिया है। उनका आरोप है कि यह लोकतांत्रिक मुकाबला नहीं, बल्कि राष्ट्रपति हसन की औपचारिक ताजपोशी जैसा आयोजन था। रिपोर्टों के अनुसार, हसन के दो प्रमुख प्रतिद्वंद्वियों को चुनाव लड़ने से रोक दिया गया, जिससे उन्हें केवल छोटे दलों के 16 उम्मीदवारों का ही सामना करना पड़ा।

चुनाव 29 अक्टूबर को हुए थे, जिनमें कई शहरों में भारी हिंसा और विरोध प्रदर्शन दर्ज किए गए। प्रदर्शनकारियों ने मतगणना रोकने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस और सेना को सड़कों पर तैनात करना पड़ा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के अनुसार, अब तक कम से कम 10 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई घायल हुए हैं।

सत्ताधारी दल के कम्युनिस्ट से गहरे संबंध

विपक्षी पार्टी 'चाडेमा' के प्रमुख तुंडू लिस्सू को चुनाव से पहले ही राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। वहीं एक्ट-वजालेंदो समूह के नेता लुहागा म्पिना को भी उम्मीदवार बनने से रोक दिया गया। तंजानिया में दशकों से सत्तारूढ़ पार्टी 'चामा चा मापिंदुजी' (सीसीएम) सत्ता पर काबिज है, जिसके चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से गहरे संबंध बताए जाते हैं।

घाटी में फिर बदलेगा मौसम का मिज़ाज, बर्फबारी के आसार

- चार और पांच नवंबर को बर्फबारी संग बरसात का भी जताया गया अनुमान

श्रीनगर। दीपावली से पहले जम्मू-कश्मीर का मौसम एक बार फिर करवट लेने को तैयार है। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक जहां पूरे केंद्र शासित प्रदेश में मौसम सामान्य और शुष्क रहेगा, वहीं चार और पांच नवंबर को हल्की बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना जताई गई है। पूर्वानुमान के मुताबिक, 1 से 3 नवंबर तक मौसम साफ रहेगा। लेकिन 4 नवंबर की शाम से बादल घिरने लगेंगे और रात के दौरान कई इलाकों में बूंदाबांदी या हल्की बर्फबारी हो सकती है। यह सिलसिला 5 नवंबर की सुबह या दोपहर तक जारी रहने की संभावना है। इसके बाद 6 से 13 नवंबर तक प्रदेश में फिर से शुष्क मौसम बना रहेगा।

तेज हवाओं संग गिरेगा पारा

मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि 4 नवंबर की शाम कुछ स्थानों पर गरज, बिजली और तेज़ हवाएं चल सकती हैं। साथ ही 5 नवंबर से तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी, जिससे ठंड में बढ़ोतरी तय है। किसानों को सलाह दी गई है कि 4 और 5 नवंबर के दौरान किसी भी तरह के कृषि कार्य स्थगित रखें, ताकि खराब मौसम से फसलों को नुकसान न पहुंचे। गौरतलब है कि हाल के दिनों में घाटी में मौसम साफ रहने से पर्यटकों की संख्या बढ़ी है।

गंगोत्री-यमुनोत्री धामों में कपाटबंदी के बाद सन्नाटा

शीतकालीन यात्रा से फिर जगने लगी उम्मीदें

एजेंसी । उत्तरकाशी

चारधाम यात्रा के समापन के साथ ही उत्तरकाशी जनपद के गंगोत्री और यमुनोत्री धामों में अब सन्नाटा पसर गया है। कपाट बंद होने के बाद अगले छह महीनों तक मां गंगा और मां यमुना की आराधना उनके शीतकालीन प्रवास स्थलों—मुखबा और खरशाली—में की जाएगी।

पिछले कुछ वर्षों से शीतकालीन चारधाम यात्रा को बढ़ावा देने की कोशिशें होती रही हैं, लेकिन यह अभियान अब तक अपेक्षित गति नहीं पकड़ सका है। विशेषज्ञों और स्थानीय तीर्थपुरोहितों का कहना है कि अगर सरकार तीर्थाटन को पर्यटन से जोड़कर योजनाबद्ध तरीके से इसे विकसित करे, तो यह क्षेत्र वर्षभर धार्मिक और आर्थिक गतिविधियों से गुलजार रह सकता है।

खीरगंगा में सामान्य हो रहे हालात

धराली-हर्षिल क्षेत्र में इस बार पांच अगस्त को आई खीरगंगा आपदा के बाद से हालात सामान्य होते दिख रहे हैं, पर पर्यटकों की चहल-पहल अभी भी सीमित है। स्थानीय कारोबारियों का कहना है कि कपाटबंदी के साथ ही यहां के बाजारों और आवास गृहों में सन्नाटा लौट आया है। गंगोत्री मंदिर समिति के सचिव सुरेश सेमवाल ने बताया कि शीतकालीन यात्रा के प्रति श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ रहा है।

'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' बना नवाबी शहर लखनऊ

जोधपुर। नवाबों का शहर लखनऊ अब अपनी शाही पाककला के दम पर विश्व के सांस्कृतिक मानचित्र पर चमक उठा है। यूनेस्को ने क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क 2025 की सूची में लखनऊ को 'सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' (पाककला) श्रेणी में शामिल किया है। इसके साथ ही लखनवी व्यंजन और परंपरागत खानपान अब अंतरराष्ट्रीय पर्यटन का नया आकर्षण बन जाएंगे। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने जोधपुर में पत्रकारों से बातचीत में इस उपलब्धि की घोषणा करते हुए कहा कि, "काशी से शुरू हुआ भारत का सांस्कृतिक नेतृत्व अब वैश्विक एजेंडा बन चुका है। लखनऊ का चयन इस बात का प्रमाण है कि भारतीय संस्कृति और खानपान अब विश्व पटल पर नई पहचान बना रहे हैं।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति स्तंभ के रूप में उभरा भारत

आसियान देशों ने की राजनाथ सिंह के नेतृत्व की भूमिका

नई दिल्ली। मलेशिया की राजधानी कुआला लुम्पुर में आयोजित आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत की भूमिका को 'महाशक्ति' के रूप में सराहा गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस अवसर पर आसियान देशों के समकक्ष मंत्रियों से मुलाकात की और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करने पर भारत की प्रतिबद्धता दोहराई।

बैठक के दौरान आसियान रक्षा मंत्रियों ने भारत की रक्षा नीति, आत्मनिर्भर उद्योग, और तकनीकी अनुसंधान क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि भारत इस क्षेत्र में एक भरोसेमंद साझेदार और अग्रणी रणनीतिक शक्ति के रूप में उभर रहा है।

भारत ने प्रस्तुत किया आदर्श उदाहरण

फिलीपींस के रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि के पालन में अन्य देशों के लिए आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है और आगामी भारत-आसियान समुद्री अभ्यास में सक्रिय भागीदारी से क्षेत्रीय सहयोग और मजबूत होगा।

रक्षा उत्पादन में साझेदारी बढ़ाने पर जोर

सिंगापुर और थाईलैंड ने युवाओं के स्तर पर भारत-आसियान संवाद, संयुक्त प्रशिक्षण और रक्षा उत्पादन में साझेदारी को और विस्तृत करने का प्रस्ताव रखा। बैठक में शामिल सभी आसियान देशों ने भारत के साथ दीर्घकालिक रणनीतिक सहयोग को सशक्त बनाने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र को शांतिपूर्ण एवं स्थिर बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

एमपी के चार मजदूरों की मौत

- दर्जनभर घायल, टेंपो में सवार थे सभी मजदूर
- एनएच-11 पर शुक्रवार रात हुआ दर्दनाक हादसा

भोपाल। राजस्थान के फलोदी-बीकानेर राष्ट्रीय राजमार्ग-11 पर शुक्रवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में मध्य प्रदेश के चार मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 12 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस वक्त हुआ जब सड़क किनारे खड़े टेम्पो को पीछे से तेज रफ्तार ट्रॉले ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टेम्पो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कई यात्री सड़क पर जा गिरे।

फसल काटने फलोदी गए थे मजदूर

थाना प्रभारी भंवराराम के अनुसार, मृतक और घायल सभी मजदूर रतलाम (मध्य प्रदेश) जिले के आलमपुर ठीकरिया गांव के रहने वाले थे। वे फसल कटाई के लिए फलोदी के बाप तहसील के सहारणपुरा गांव जा रहे थे। रास्ते में ड्राइवर ने भादू रेस्टोरेंट के पास टेम्पो को थोड़ी देर के लिए रोका था, तभी पीछे से आ रहे ट्रॉले ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में टीना (12), जगदीश (32) और उनकी पत्नी पूजा (30) की मौत हो गई। टेंपो ड्राइवर गोपीलाल, निवासी मोटाई (फलोदी) ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घायलों में बच्चे और महिलाएं शामिल हैं — जिनमें भोला (8), अशोक (8), रामूबाई (35), बाबूलाल (35), किंजन (14), सुगनबाई (30), रोशनी (8), ममता (30), अर्जुन (8), अमृत (59), राहुल (21) और कन्हैयाबाई (60) का इलाज जारी है।